CNews सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-217
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे
तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे
तुम खो चुके हो!

सिटी चीफ

देव उठनी ग्यारस की हार्दिक शुभकामनाएं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, मंगलवार 12 नवम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

स्मॉग में लिपटी दिल्ली में लगातार खराब हो रही हवा

जहरीली हवा में सांस लेने को हुए मजबूर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बनी हुई है। राजधानी दिल्ली में इस समय प्रदूषण से हालात काफी खराब है। कई इलाके राष्ट्रीय राजधानी में ऐसे हैं जहां एक्यूआई 400 से अधिक बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि हाल में इस बढ़े प्रदूषण से दिल्ली को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। बढ़े प्रदूषण के कारण पूरी दिल्ली धुंध की चादर में लिपटी हुई है। वहीं हवा में सांस लेना लोगों के लिए परेशानी का सबब बन चुका है। लगातार 14वें दिन भी 'बहुत खराब' श्रेणी में प्रदूषण दर्ज हुआ है। सुबह 8 बजे औसत एक्यूआई 355 (बहुत खराब) था, जो सोमवार को शाम 4 बजे के 352 (बहुत खराब) से मामूली गिरावट थी। सुबह 8 बजे औसत एक्यूआई 355 (बहुत खराब) था, जो सोमवार को शाम 4 बजे के 352 (बहुत खराब) से मामूली गिरावट थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) 0-50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच को संतोषजनक, 101 और 200 के बीच को मध्यम, 201 और 300 के बीच को खराब, 301 और 400 के बीच को बहुत खराब और 400 से अधिक को गंभीर श्रेणी में रखता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले एक सप्ताह से 'धुंध' की स्थिति बनी हुई है और क्षेत्र में इसी तरह की धुंध बनी रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, जब दृश्यता 1,000 मीटर से कम होती है, तो उसे कोहरा कहा जाता है। जब दृश्यता 1,000 मीटर से कम हो और सापेक्ष आर्द्रता 75% से कम हो, तो इसे स्मॉग कहा जा सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया, रात भर हवाएं शांत रहती हैं, जिससे कोहरा बनता है। हम सुबह के समय कोहरा और बाकी दिन धुंध देख रहे हैं। सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चला कि मंगलवार सुबह 8 बजे कम से कम पांच स्टेशन 'गंभीर' श्रेणी में थे। इसमें वजीरपुर (424) और जहांगीरपुरी (417) शामिल थे। दिल्ली का कुल AQI 30 अक्टूबर को बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया था और तब से इसी श्रेणी में बना हुआ है। इस सीजन में यह अभी तक गंभीर श्रेणी में नहीं पहुंचा है। इस बीच, राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 17.9 डिग्री सेल्सियस रहा - जो सामान्य से चार डिग्री अधिक और सोमवार से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। एक दिन पहले यह 32.4 डिग्री सेल्सियस था।

अवैध घुसपैठ के खिलाफ ईडी का बड़ा एक्शन

झारखंड में 17 जगहों पर छापेमारी

मनी लॉन्ड्रिंग का लिंक भी तलाश रही एजेंसी

झारखंड विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में कई स्थानों पर छापेमारी की है। झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुल 17 जगहों पर ईडी की टीमें सक्रिय हैं। एजेंसी के अनुसार, यह कार्रवाई अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की जा रही है। ऐसे समय में की गई छापेमारी ने चुनावी माहौल में हलचल मचा दी है।

मनी लॉन्ड्रिंग और बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच जारी ईडी ने सितंबर में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत झारखंड में बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ और तस्करी से जुड़े एक मामले में केस दर्ज किया था। जांच में सामने आया है कि इस घुसपैठ के माध्यम से काले धन की आपूर्ति हो रही है। इस छापेमारी का उद्देश्य इस आपूर्ति चैनल और संबंधित व्यक्तियों का पर्दाफाश करना है।

बीजेपी लगा रही बांग्लादेशी घुसपैठ का आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी नेताओं ने झारखंड सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि राज्य सरकार की ढिलाई के कारण संथाल परगना और कोल्हान जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में डेमोग्रेफिक लैंडस्केप में बदलाव हो रहा है। ऐसे आरोपों ने चुनावी माहौल को और भी तगड़ा बना दिया है, जिससे सभी पार्टियों में हलचल है।

43 सीटों पर कल होगा मतदान झारखंड विधानसभा चुनाव का पहला चरण बुधवार को 43 निर्वाचन क्षेत्रों में संपन्न होगा, जबकि दूसरे चरण में 38 सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। इस संदर्भ में ईडी की छापेमारी से राज्य की राजनीति में तनाव बढ़ गया है। मतदाताओं के बीच चुनावी मुद्दों पर भी प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

वोटरों पर छापेमारी का क्या असर होगा? चुनाव से पहले ईडी की इस छापेमारी को लेकर लोग कई सवाल उठा रहे हैं। कुछ का मानना है कि यह कार्रवाई चुनाव पर असर डाल सकती है, जबकि अन्य इसे एक सख्त कदम के रूप में देख रहे हैं।

भीषण कार हादसे में तीन लड़के और लड़कियों की मौत

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में देर रात भीषण हादसा हो गया। यहां एक कार हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में तीन लड़के और तीन लड़कियां है। एक एक्सीडेंट में घायल एक लड़के की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक ये हादसे इतना भीषण था कि इसमें कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई है। हादसा देहरादून के ओएनजीसी चौक पर हुआ है। सात लोग एक साथ कार में रात को घूमने निकले थे, इसी दौरान हे हादसा हो गया। छह लोग अपनी जान गवा चुके है जबकि एक युवक की हालत नाजुक है। सभी लोगों उम्र 25 वर्ष के आसपास बताई गई है। बता दें कि इस हादसे में जान गंवाने वालों में गुनीत (19), नव्या गोयल (23) कामाक्षी (20) शामिल है। तीनों ही लड़कियां शहर के अलग अलग हिस्सों में रहती थी। वहीं मरने वाले लड़कों में कुणाल कुकरेजा (23), अतुल अग्रवाल (24) और ऋषभ जैन (24) शामिल है। कुणाल मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के चंबा के रहने वाले थे। वहीं जो लड़का घायल है और जिंदगी व मौत के बीच झूल रहा है, वो देहरादून का ही निवासी है। घायल युवक की पहचान सिद्धेश अग्रवाल (25) के तौर पर हुई है। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज जारी है। अब तक कार हादसा कैसे हुआ है इसकी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। दिवाली के बाद हुई कैबिनेट बैठक में 8वें वेतन आयोगको लेकर अहम चर्चा की गई। इसके तहत कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इस फैसले से लाखों सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। केंद्र सरकार की इस पहल से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

वेतन में होगी बड़ी बढ़ोतरी 8वें वेतन आयोग के लागू होते ही कर्मचारियों के वेतन में बड़ा उछाल देखने को मिलेगा। सरकार की योजना के अनुसार, न्यूनतम सैलरी 18,000 रुपये से बढ़ाकर 34,560 रुपये करने की सिफारिश की जा रही है। इससे केंद्रीय कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिलेगी। इसके साथ ही, वेतन में वृद्धि से परिवारों का आर्थिक संबल भी मजबूत होगा। के इस फैसले को लेकर कर्मचारियों में उत्साह है।

पेंशनर्स को मिलेगा अतिरिक्त लाभ वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ पेंशनर्स को भी मिलेगा। पेंशन की न्यूनतम राशि 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,280 रुपये करने का प्रस्ताव है। इससे पेंशनर्स की जीवनशैली में सुधार आएगा और वे आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करेंगे। सरकार का यह निर्णय पेंशनर्स की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के उद्देश्य से लिया गया है।

भत्तों में भी मिलेगा इजाफा वेतन और पेंशन के साथ-साथ भत्तों में भी 20त्न तक की बढ़ोतरी की योजना है। इससे न केवल कर्मचारियों की सैलरी में इजाफा होगा, बल्कि उन्हें मिलने वाले भत्ते भी बढ़ेंगे। भत्ते में बढ़ोतरी का यह फैसला कर्मचारियों की ओर से लंबे समय से की जा रही मांगों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

7वें वेतन आयोग की अवधि समाप्त होने वाली 7वें वेतन आयोग की अवधि 2025 के अंत में समाप्त हो रही है, जिसे 2016 में लागू किया गया था। ऐसे में 8वें वेतन आयोग की घोषणा अहम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सही समय है जब सरकार नए वेतन आयोग को मंजूरी दे। उम्मीद है कि यह निर्णय अगले साल तक पूरा हो सकता है।

वेतन आयोग से लाखों को होगा फायदा वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने से 1 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनर्स को लाभ मिलेगा। सचिव शिव गोपाल मिश्र ने कहा कि आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ वेतन में बढ़ोतरी का समय आ गया है। इस कदम से केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की मेहनत को सम्मान मिलेगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और उनका जीवन स्तर सुधरेगा।

शाहरुख को धमकी देने वाला वकील गिरफ्तार

पहले हिरासत में लेकर छोड़ा, अब मुंबई पुलिस ने रायपुर से किया अरेस्ट

मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी देने वाले एक शख्स को छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम फैजल खान है और वह पेशे से वकील है। आरोपी पुलिस ने शाहरुख के सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी को फोन कर धमकी थी। साथ ही 50 लाख रुपए की फिरौती की मांग भी की थी। पिछले हफ्ते बांद्रा पुलिस स्टेशन में इस धमकी भरे कॉल की शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने इस पर कार्रवाई शुरू की। धमकी देने वाला आया पुलिस की गिरफ्त मे फैसल खान ने मुंबई पुलिस को पहले ही बताया था कि वह 14 नवंबर को मुंबई आकर अपना बयान देगा। लेकिन उसे हाल ही में लगातार धमकियां मिल रही थीं, जिस कारण उसने मुंबई पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर वीडियो कॉल के माध्यम से अपना बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। फैसल की गिरफ्तारी के बाद अब मुंबई पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। बॉलीवुड सेलेब्स की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी बता दें कि बीते कुछ समय से सलमान खान को भी जान से मारने की धमकियां मिली रही हैं। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर सलमान खान को धमकी देने का आरोप है। गैंगस्टर ने सलमान खान को भेजी गई धमकी में कहा था कि वह राजस्थान में बिश्नोई समाज के मंदिर मे जाकर माफी मांगे। हाल ही में सलमान को एक गाने को लेकर भी धमकी दी गई थी। गैंग ने धमकाते हुए कहा था कि गीतकार अब कभी गीत लिखने के काबिल नहीं रहेगा। अब शाहरुख को धमकी मिलने से बॉलीवुड सेलेब्स के खिलाफ सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। मुंबई पुलिस ने पहले भी किया था फैजल का गिरफ्तार बांद्रा पुलिस स्टेशन को पिछले हफ्ते शाहरुख खान को धमकी मिलने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले को गंभीरता से लिया और फैजल खान को खोजकर रायपुर से हिरासत में लिया था। हालांकि, फैजल ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल खो गया था। फैजल ने पुलिस को अपने मोबाइल खोने की रिपोर्ट दर्ज कराने से जुड़े दस्तावेज भी सौंपे थे। जिसके बाद पुलिस ने फैजल खान को हिरासत में लेकर छोड़ दिया था।

शाहरुख खान और फैजल का है 30 साल पुराना विवाद शाहरुख खान को धमकी देने के मामले में आरोपी वकील फैजान खान ने पुलिस पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने बताया कि उसका और शाहरुख का 30 साल पुराना विवाद है। फैजान ने दावा किया कि उसने 1994 में आई फिल्म अंजाम के एक सीन पर शाहरुख के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शाहरुख पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। फैजान ने दावा किया था कि किसी ने मुझे इस मामले में फंसाने की कोशिश की है।

फैजान खान ने दी थी अपनी सफाई फैजान खान ने पुलिस को अपने बचाव में बताया कि उनका मोबाइल 2 नवंबर को गुम हो गया था, जिसकी शिकायत उसने थाने में भी दर्ज कराई थी। फैजान ने कहा कि वह नंबर बंद नहीं करवा पाए, जिसके कारण शायद किसी ने शाहरुख खान को उसी नंबर से धमकी दी होगी। फैजान ने यह भी दावा किया कि यह मुझे फंसाने की साजिश भी हो सकती है। फैजान ने साफ किया कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है।

कौन हैं मार्को रुबियो... जिन्हें ट्रंप बनाएंगे अमेरिका का नया विदेश मंत्री

माने जाते हैं भारत के समर्थक, चीन के विरोधी

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो को अमेरिका के विदेश मंत्री पद के लिए नॉमिनेट किया है। रुबियो अमेरिका-भारत संबंधों के मुखर समर्थक और चीन के सख्त आलोचक माने जाते हैं। यह नियुक्ति संभवत: ट्रंप की विदेश नीति में एक नई दिशा का संकेत हो सकती है, जिसमें वे अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने और चीन जैसे विरोधियों को आक्रामक प्रतिक्रिया देने पर जोर दे सकते हैं। रुबियो के चयन से विदेश नीति के क्षेत्र में ट्रंप के अगले कदमों की दिशा स्पष्ट होती है।

भारत-अमेरिका संबंधों में रुबियो की भूमिका रुबियो ने भारत को हमेशा से ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साथी माना है। वे व्यापार और रक्षा क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग को मजबूत करने के पक्षधर हैं। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कांग्रेस में लगातार मजबूत भारत-अमेरिका संबंधों की रणनीतिक अहमियत को रेखांकित किया है। यह रिश्ता न केवल दोनों देशों के आर्थिक हितों को बढ़ाता है, बल्कि दोनों के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को भी बल देता है। ट्रंप प्रशासन में रुबियो का चयन भारत के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है।

चीन पर अपनाते रहे हैं सख्त रुख चीन को लेकर रुबियो का रुख हमेशा आक्रामक रहा है। सीनेट में वे चीन की नीतियों और मानवाधिकारों के हनन के मुखर आलोचक हैं। रुबियो ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर आर्थिक दबाव डालने की वकालत की है और दक्षिण चीन सागर में उसकी आक्रामक नीतियों की भी निंदा की है। अगर वे विदेश मंत्री बनते हैं, तो उनकी यह सख्ती और भी बढ़ सकती है। चीन के प्रति उनके सख्त रुख से भारत सहित अन्य देशों के साथ अमेरिकी संबंध और मजबूत हो सकते हैं।

NATO के मजबूत समर्थक माने जाते हैं रुबियो का विदेश नीति का अनुभव यूरोप के साथ अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने में मददगार होगा। रुबियो हमेशा NATO के कट्टर समर्थक रहे हैं।

विजयपुर उपचुनावः वोटिंग से पहले आदिवासी बस्ती में ताबड़तोड़ फायरिंग

2 घायल, कांग्रेस ने भाजपा पर लगाए आरोप

मध्य प्रदेश के विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव से एक दिन पहले फायरिंग हो गई। बाइक से आए 9 बदमाशों ने आदिवासियों को धमकाते हुए फायरिंग कर दी। गोलीबारी में कई लोग घायल हो गए हैं। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों ने एक आरोपी को बंदूक के साथ पकड़ लिया। घटना ढोढर थाना क्षेत्र के धनाचया गांव में सोमवार रात 10 बजे हुई है। कांग्रेस ने भाजपा नेताओं पर अराजकता गुंडागर्दी का आरोप लगाया है।

गाली-गलौज से रोकने पर ताबड़तोड़ फायरिंग वारदात में प्रकाश और हरविलास नाम के दो आदिवासी युवक घायल हो गए हैं। पुलिस को उन्होंने बताया कि रात में कुछ लोग बंदूकें लेकर बाइक से आए थे। बस्ती में पहुंचते ही गालीङ्कगलौज करने लगे। मना करने पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस को सूचना दी तो एसडीओपी राजीव गुप्ता जवानों के साथ गांव पहुंचे।

आचार संहिता के बीच फायरिंग, पुलिस पर सवाल विजयपुर में 13 नवंबर को वोटिंग है। इस समय चुनावी आचार संहिता लागू है। लिहाजा, निर्वाचन क्षेत्र में सभी लाइसेंसी बंदूकें पुलिस ने जब्त करा ली है। आसपास की सीमाएं भी सील कर दी गई हैं। इन सबके बावजूद सरेआम गोलीबारी होना पुलिस की निगरानी पर सवाल उठाता है।

पटवारी बोले-कलेक्टर-एसपी को हटाए आयोग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घटना से जुड़ा एक वीडियो शेयर कर कलेक्टर-एसपी को हटाए जाने की मांग की है। कहा, विजयपुर में आज प्रचार समाप्त हुआ और मतदाताओं पर अत्याचार शुरू हो गया। भाजपा उपचुनाव को भी लाल स्याही से रंग रही है। जीतू पटवारी ने कहा, एक ओर आचार संहिता लागू है, और दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी के हथियारबंद गुंडे आदिवासी भाइयों पर गोली चला रहे हैं। विजयपुर कलेक्टर और भाजपा में सांठ-गांठ की बात मैं लगातार कह रहा हूं, लेकिन गंभीरता से नहीं लिया गया। अब इसके परिणाम सामने दिख रहे हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

मुठभेड़ में 11 उग्रवादी ढेर, कुकी संगठन ने किया बंद का ऐलान, कर्फ्यू लागू

मणिपुर में एक बार फिर से हिंसा भड़क उठी है। मणिपुर में हालिया हिंसा से स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। जिरीबाम जिले में शनिवार को कुकी उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन और सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया। इस दौरान अंधाधुंध फायरिंग की गई। जवाब में सीआरपीएफ ने सख्ती से मोर्चा संभाला और लगभग 45 मिनट की भीषण गोलीबारी के बाद हालात पर काबू पाया गया। इस मुठभेड़ में 11 उग्रवादी मारे गए। घटना के बाद पूरे इलाके में डर का माहौल है। प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए कर्फ्यू लगा दिया गया है।

इलाके में कर्फ्यू और तलाशी अभियान जारी हमले के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने मारे गए उग्रवादियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। इसमें तीन एके-47, चार एसएलआर, दो इंसास राइफल, एक आरपीजी और पंप एक्शन गन शामिल हैं। इसके अलावा बीपी हेलमेट और कई मैगजीन भी बरामद की गईं। इन हथियारों की बरामदगी से इस हमले की गंभीरता को समझा जा सकता है।

कुकी संगठन ने बुलाया बंद घटना के बाद कुकी-जो काउंसिल ने मंगलवार सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक बंद का आह्वान किया है। संगठन ने इसे अपने समुदाय के लोगों के प्रति एकजुटता और दुख प्रकट करने का माध्यम बताया है। कुकी संगठन ने इस हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि उनके समुदाय के कई ग्राम स्वयंसेवकों की हत्या कर दी गई है। इसके जवाब में उन्होंने पूरी पहाड़ी इलाके में बंद का समर्थन करने की अपील की है।

सीआरपीएफ के दो जवान घायल मणिपुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि इस हमले में सीआरपीएफ के दो जवान घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

तुकोगंज लूट कांड में पुलिस अब तक खाली हाथ

चोरी की बाइक से आए थे आरोपी, बंदूक लोड कर धमकाया था

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र में आरएस भंडारी मार्ग स्थित एक बिल्डिंग में बिल्डर से लूट की वारदात में उपयोग किए गए दोपहिया वाहन को बदमाशों ने रविवार को ग्वालटोली से चुराया था। पुलिस ने जब जांच की, तो पता चला कि यह वाहन छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र से चुराया गया था।
इसका फुटेज भी सामने आया है, जिसमें यही बदमाश नजर आ रहे हैं। बदमाशों की तलाश में पुलिस ने पांच टीमें गठित की हैं। दो टीमें इंदौर में अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश दे रही हैं, तो तीन टीमों को उज्जैन, भोपाल और देवास भेजा गया है।
पुलिस को आकाश यादव ने बताया कि वह रात में 11.30 बजे वाहन (एमपी 09-वीयू 0843) घर के बाहर खड़ा कर गया था, लेकिन वहां सुबह नहीं मिला।

बंदूक लोड की, शिकायत नहीं करने की दी धमकी
जिस बिल्डिंग में यह घटनाक्रम हुआ है, वहां सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। हालांकि अन्य बिल्डिगों में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाशों के हुलिए साफ नजर आ रहे हैं।
बिल्डर कमलेश अग्रवाल ने बताया कि बदमाशों ने बंदूक लोड की और अंदर रख ली। इस दौरान पीतल के दो कारतूस भी नीचे गिर गई। इन्हें बदमाशों ने उठाया।
फिर चाकू निकालकर कहा कि चुप रहना। यदि शिकायत की तो सभी को मार देंगे।
यदि हम उस दौरान शोर मचाते या भागने का प्रयास करते तो वे हमारे ऊपर हमला भी कर सकते थे।

भागने के दौरान गिरी थी बाइक

विजय नगर में भी देर रात लूट
रविवार रात में विजय नगर थाना क्षेत्र के स्कीम नंबर 78 में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी पंकज चौरसिया के साथ भी रविवार रात लूट हुई है। बदमाशों ने उसकी कार को रोका और हाथ में पहना कड़ा और अंगूठी छीन ली। यह घटना भी दो बदमाशों ने की है। पुलिस ने फुटेज देखे लेकिन दोनों घटना में आरोपितों का पहनावा अलग है।
घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दोपहिया वाहन पर टोपी लगाए और नकाब पहने दो बदमाश नजर आ रहे हैं। बदमाश जब भाग रहे थे तो वह गिर गए। इस दौरान पीछे बैठे बदमाश की टोपी और जूते खुल गए। इसके बाद वह जूते को हाथ में लेकर वाहन पर बैठ गया। यह वहां से गुजरने वाले राहगीर ने भी देखा, लेकिन उसे समझ ही नहीं आया कि क्या चल रहा है।

गुप्ता परिवार के घर भी गए थे बदमाश
बदमाश अग्रवाल परिवार के घर जाने से पहले पास में रहने वाले गुप्ता परिवार के घर गए थे। यहां बाहर महिला खड़ी थी, जिससे बदमाशों ने पूछा था कि यहां कौन रहते हैं। इसके बाद बदमाश वहां से भाग गए।
घटनाक्रम को देखकर लगता है कि यह योजना बनाकर किया गया है। अग्रवाल परिवार पर बदमाशों की पहले से नजर थी। बदमाशों के साथियों की आसपास खड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है।

विवाह की शुभ घड़ी आई...117 दिन बाद गूंजेंगी खुशियों की शहनाई

सिटी चीफ इंदौर।
देवशयनी एकादशी से विवाह पर लगी 117 दिनी रोक देवउठनी एकादशी पर 12 नवंबर को हट जाएगी। इसके लिए हलवाई, कैटरिंग, बैंड गार्डन, होटल, धर्मशाला के साथ वैवाहिक आयोजन के व्यवसाय से जुड़े लोगों के चेहरे खिल उठे हैं।
इसका कारण वैवाहिक आयोजन के लिए 80 फीसद से अधिक बुकिंग होना है। इसके चलते दीपावली और छठ पूजा के लिए गए स्टाफ को भी फटाफट वापस बुलवाया जा रहा है।
वर्ष 2024 के अंतिम दो महीने में 16 मिश्रित मुहूर्त हैं। जानकारों द्वारा हर मुहूर्त 300 से 400 वैवाहिक आयोजनों का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें स्कूल-कॉलेज और खेल मैदान पर होने वाले आयोजन शामिल नहीं हैं।

15 जुलाई को था विवाह का अंतिम मुहूर्त
पिछली बार 17 जुलाई को श्री हरि विष्णु के योग निद्रा में जाने के दो दिन पहले 15 जुलाई को विवाह का अंतिम मुहूर्त था। सनातन संस्कृति में चातुर्मास के चार माह वैवाहिक आयोजन नहीं किए जाते हैं।
वैवाहिक आयोजन की शुरुआत देवोत्थान एकादशी पर देवों के जागने के साथ होती है। आचार्य रामचंद्र शर्मा ने बताया कि इस बार नवंबर और दिसंबर को विवाह के शुद्ध और मिश्रित मुहूर्त पर बड़ी संख्या में वैवाहिक आयोजन होंगे। इसके लिए एक मुहूर्त पर करीब तीन बुकिंग विवाह संपन्न कराने वाले विद्वानों के पास है।

15 दिसंबर से विवाह पर फिर लगेगी रोक
15 दिसंबर 2024 से 14 जनवरी 2025 तक धनु मलमास रहने से विवाह नहीं होंगे।
19 मार्च 2025 से 23 मार्च 2025 तक चार दिन शुक्र अस्त रहने से विवाह नहीं होंगे।
14 मार्च 2025 से 14 अप्रैल तक मीन मलमास रहने से विवाह नहीं होंगे।

इंदौर में एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग के पास बनेगा मेट्रो का अंडर ग्राउंड पैसेज गेट

सिटी चीफ इंदौर।
एयरपोर्ट के पास मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनना है। ऐसे में एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग से मेट्रो के स्टेशन तक 200 मीटर हिस्सें में यात्रियों की सुविधा के लिए अंडरग्राउड पैसेज बनाया जाएगा।
ऐसे में टर्मिनल बिल्डिंग की कैनोपी वाले हिस्से में जमीन के करीब 15 मीटर नीचे इस अंडर ग्राउंड पैसेज में जाने का प्रवेश व निकासी गेट बनाया जाएगा। इस संबंध में मेट्रो कंपनी के अधिकारियों की दिल्ली में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ चर्चा में सहमति बनी। अंडर ग्राउंड पैसेज में स्वचलित ट्रेवलेटर लगाया जाएगा।

ट्रेवलेटर से पहुंच सकेंगे मेट्रो स्टेशन तक
ऐसे में भविष्य में एयरपोर्ट से उतरने वाले यात्री मेट्रो स्टेशन तक ट्रेवलेटर पर खड़े हो मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। गौरतलब है कि पहले एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा बाउंड्रीवाल के पास तक ही मेट्रो का प्रवेश व निकासी गेट बनाने पर सहमति दी गई थी। मेट्रो प्रबंधन चाहता था कि टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर तक मेट्रो के अंडर ग्राउंड पैसेज से प्रवेश व निकासी की व्यवस्था की जाए। इस पर एयरपोर्ट प्रबंधन सहमत नहीं हुआ। इसके बाद एयरपोर्ट टर्मिनल इमारत के प्रवेश व निकासी के गेट के बाहर वाले हिस्से में टर्मिनल के सामने प्रवेश व निकासी गेट बनाने पर सहमति बनी। अंडर ग्राउंड पैसेज टर्मिनल इमारत के सामने पिक एंड ड्राप लेन के लिए नीचे से जाएगी।
ऐसे में मेट्रो प्रबंधन द्वारा अंडर ग्राउंड हिस्सों को दो हिस्सों में तैयार करने की योजना बनाई जा रही है। एयरपोर्ट से रीगल तक प्रस्तावित हिस्सा एक एजेंसी को देकर काम शुरू करवाया जाएगा। मेट्रों के अंडर ग्राउंड हिस्से को रीगल से बंगाली चौराहे तक बढ़ाने पर बजट भी बढ़ रहा है। ऐसे में राशि स्वीकृत होने के बाद मेट्रो के दूसरे अंडर ग्राउंड हिस्से के लिए दूसरी एजेंसी तय की जाएगी। गांधी नगर स्टेशन से एयरपोर्ट की ओर मेट्रो के ओवरहेड हिस्से के निर्माण के लिए भुजा का निर्माण किया जा रहा है। गांधी नगर नगर चौराहे से एयरपोर्ट तक मेट्रो का ढलान रहेगा और मेट्रो अंडर ग्राउंड होगी। इस वजह से मेट्रो पिलर को यहां से ढलान देने के लिए पिलर का निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है।

इंदौर में केबल कार 13.7 किमी क्षेत्र से गुजरेगी

पूर्व से पश्चिम को जोड़ने के लिए दो रूटों का चयन

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर शहर में यातायात सुगम करने और सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाने के लिए केबल कार चलाने के लिए सर्वे किया जा रहा है। प्रारंभिक सर्वे में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों को कवर कर सात रूट बनाए गए थे। ये रूट 60.12 किमी क्षेत्र में बने थे। केबल कार के फाइनल सर्वे के लिए दो रूटों का चयन किया गया है। पहला चंदन नगर से शुरू होगा और रेलवे स्टेशन होकर शिवाजी वाटिका तक जाएगा। दूसरा रूट रेलवे स्टेशन से शुरू होकर पाटनीपुरा हाते हुए बापट चौराहे तक जाएगा। ये दोनों रूट शहर के पूर्वी हिस्से को पश्चिम हिस्से से जोड़ने का काम करेंगे। इन दोनों रूट में रेलवे स्टेशन केंद्र बिंदु रहेगा। रूट की आर्थिक रिपोर्ट तैयार होने के बाद इसके निर्माण की योजना तय होगी।
इंदौर में केबल कार के सर्वे का जिम्मा इंदौर विकास प्राधिकरण को दिया गया है। कंसल्टेंट एजेंसी द्वारा सौपी गई प्रारंभिक सर्वे रिपोर्ट में से दो रूट का चयन डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए किया गया है। कंसल्टेंट कंपनी सर्वे कर डेढ़ माह में पूरी रिपोर्ट सौंपेगी। इसमें रूट के निर्माण की लागत प्रति किमी के अनुसार निकाली जाएगी, वहीं व्यस्तम मार्ग में लाइन और स्टेशन बनाने के अलावा ट्राली संचालन का सर्वे भी किया जाएगा। फाइनल सर्वे के लिए जिन दो रूटों का चयन किया है वह शहर के 13.07 किमी क्षेत्र को कवर करेंगे। शहर के पूर्वी हिस्से खालसा चौक निरंजनपुर से शुरू होकर पश्चिम हिस्से चंदन नगर तक केबल कार की कनेक्टिविटी देंगे। इसमें रेलवे स्टेशन और राजवाड़ा के साथ जवाहर मार्ग का सघन क्षेत्र भी कवर हो रहा है। यदि इस रूट पर केवल कार का संचालन किया जाता है, तो लंबे क्षेत्र में यातायात की सुगमता होगी। यह रूट चंदन नगर से शुरू होकर लाबरीया भैरू, जवाहर मार्ग से रेलवे स्टेशन होते हुए शिवाजी वाटिका तक जाएगा। 6.24 किमी लंबे इस रूट पर छह स्टेशन प्रारंभिक सर्वे में बनाए गए हैं। जो चंद्र शेखर आजद चौराहा चंदन नगर, लाबरिया भैरू, मालगंज चौराहा, जवाहर मार्ग गुरुद्वारा, सरवटे बस स्टैंड और शिवाजी वाटिका पर तय हैं। यह रूट रेलवे स्टेशन से पाटनीपुरा होते हुए बापट चौराहा से आगे खालसा चौक तक जाएगा। 6.83 किमी लंबे इस रूट पर प्रारंभिक सर्वे मे पांच स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है।

इंदौर पुलिस ने एंटी ड्रोन सिस्टम का किया ट्रायल, एक किमी दूर से पकड़ लेता है ये

सिटी चीफ इंदौर।
उड़ते ड्रोन और अन्य संदिग्ध वस्तुओं को इंदौर पुलिस एक किमी दूर से ही पकड़ लेगी। रविवार को सुरक्षा और तकनीकी नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए इंदौर पुलिस ने निजी रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ मिलकर कनाडिया पुलिस थाने में एंटी ड्रोन सिस्टम का सफलतापूर्वक ट्रायल किया।
डीसीपी जोन 2 अभिनय विश्वकर्मा और एडीसीपी अमरेंद्रसिंह के निर्देशन में आयोजित इस ट्रायल में सिस्टम विकसित करने वाली पिसर्व टेक्नोलॉजी के अभिषेक मिश्रा भी टीम के साथ शामिल हुए। बताया जा रहा है कि यह एंटी ड्रोन सिस्टम ड्रोन, पक्षियों और अन्य उड़ने वाले वस्तुओं के बीच अंतर को सटीकता से पहचानने में सक्षम है।

जैसे ही कोई कोई संदिग्ध वस्तु या दुश्मन ड्रोन एक किमी की सीमा में प्रवेश करता है, यह प्रणाली तुरंत अलार्म बजाकर सुरक्षा बलों को सतर्क कर देती है। समय पर अलार्म बजने से सुरक्षा बलों के लिए तुरंत कार्रवाई करते हुए ड्रोन को निष्क्रिय करना आसान हो जाता है। देश में पहली बार पुलिस के साथ मिलकर एंटी ड्रोन सिस्टम का परीक्षण संभवतः देश में यह पहला मौका है जब एंटी-ड्रोन सिस्टम का परीक्षण पुलिस के साथ मिलकर किया गया है। कंपनी के दुर्गेश शुक्ला, रोशनी शुक्ला, अक्षत सिंह चौहान ने ट्रायल का संचालन किया। एसीपी खजराना कुंदन मंडलोई और कनाड़िया पुलिस थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह सिसोदिया ने इसमें सहयोग किया।

महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाए कैमरे
शहर में आने-जाने के महत्वपूर्ण स्थानों पर हाइटेक नाइट विजन कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन और रात दोनों समय स्पष्ट तस्वीर ले रहे हैं। इन स्थानों पर 120 नाइट विजन कैमरे लगाए गए हैं। एक सप्ताह से कैमरों ने काम करना शुरू कर दिया है।
पुलिस कंट्रोल रूम से इन कैमरों की लाइव फीड देखी जा रही है। कैमरे रालामंडल, राऊ गोल चौराहा, कनाड़िया, बेस्ट प्राइज, बायपास, सांवेर रोड, तेजाजी नगर, पीथमपुर रोड, नावदापंथ, गोम्मटगिरि, टीसीएस चौराहा और बुढ़ानिया जैसे क्षेत्रो में लगाए गए हैं।

ठंड ही नी पड़ री भिया...

गुजरात के प्रति चक्रवात ने बढ़ाया इंदौर वालों का सर्दी के लिए इंतजार

सिटी चीफ इंदौर।
उत्तरी और उत्तरी पूर्वी हवा के असर से दिन के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिली। इंदौर में 22 दिन बाद सोमवार को पारा 31 डिग्री से नीचे रहा। सोमवार को अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य था। इसके पहले 20 अक्टूबर को अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 30.1 डिग्री दर्ज किया गया था।
गौरतलब है कि पिछले दो दिनों से तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। रविवार को 15 दिन बाद शहर में अधिकतम तापमान सामान्य स्तर पर आया। सोमवार को भी दिन का तापमान सामान्य रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 17.1 डिग्री दर्ज किया।

गुजरात में बने प्रति चक्रवात का असर
भोपाल स्थित मौसम केंद्र के वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तरी हवाओं के असर से अभी दिन के तापमान सामान्य स्तर विगत दो दिन में देखने को मिला। अगले दो दिन भी ऐसा ही रहने की संभावना है।
वर्तमान में गुजरात में एक प्रति चक्रवात बना हुआ है। इसके असर से बुधवार से दिन के तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

17 नवंबर के बाद तापमान में आएगी गिरावट
इंदौर वालों को अभी अल सुबह व रात में ठंडक का अहसास हो रहा है। दोपहर में धूप के कारण गर्मी का असर दिख रहा है।
मौसम विभाग के अनुसार,अभी हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी न होने से आ रही उत्तरी व उत्तरी पूर्वी हवा में ठंडक ज्यादा नहीं है।
आगामी दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तरी हवाएं शीतलता का असर बढ़ाएगी। ऐसे में 17 नवंबर के बाद ही तापमान में गिरावट होने की संभावना है।
ऐसे में अगले सात दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी बरकरार रहेगी। दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक बने रहेंगे।

समझौता फॉर्मूला के तहत अब किसी और की होगी ताजपोशी

गढ़ाकोटा में नगर परिषद अध्यक्ष पद से दीपा लहरिया का इस्तीफा

सिटी चीफ भोपाल।
सागर जिले की गढ़ाकोटा नगर परिषद के अध्यक्ष पद से दीपा लहरिया ने त्यागपत्र दे दिया। उनका कार्यकाल दो वर्ष का ही रहा। अब अगले तीन वर्ष के लिए संगीता तिवारी को नगर परिषद अध्यक्ष चुना जाएगा।
दरअसल, विधायक गोपाल भार्गव ने दो वर्ष पहले यह समझौता कराया था कि दो वर्ष दीपा लहरिया और अगले तीन वर्ष के लिए संगीता तिवारी नगर परिषद की अध्यक्ष बनेंगी। समझौता इसलिए कराया गया, क्योंकि दोनों ही आमने-सामने चुनाव लड़ रही थीं। विधायक गोपाल भार्गव ने निर्विरोध चुनाव कराने के लिए यह समझौता फॉर्मूला निकाला था।

विधायक के कहने पर छोड़ी कुर्सी
हालांकि इस बारे में दीपा लहिया का तो पक्ष नहीं मिल पाया लेकिन उनके पति भाजपा नेता दिनेश लहरिया का कहना है कि हमारे वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव ने यह तय किया था कि दो वर्ष तक दीपा और फिर तीन वर्ष तक संगीता तिवारी गढ़ाकोटा नगर परिषद की अध्यक्ष बनेंगी। उनके कहने पर ही दीपा ने त्यागपत्र दे दिया है।
आपसी सहमति से निकाला फॉर्मूला वहीं, इस बारे में विधायक भार्गव का कहना है कि 23 पार्षद हमारे हैं, इसलिए हम सबने मिलकर आपसी सहमति से ऐसा तय किया था। उसको ही अमल में लाया जा रहा है। दीपा के त्यागपत्र के बाद अब अधिनियम के प्रविधान के अनुसार, नया अध्यक्ष चुनने के लिए कलेक्टर पार्षदों का सम्मेलन बुलाएंगे, जिसमें अध्यक्ष का निर्वाचन होगा।

भगत सिंह वार्ड से पार्षद हैं संगीता
चूंकि, गढ़ाकोटा नगर परिषद में सभी 23 पार्षद भाजपा के हैं, इसलिए जिसे भी पार्टी इस पद के लिए प्रत्याशी बनाएगी, उसका निर्वाचित होना निश्चित है। अब यहां तय फॉर्मूले के अनुसार भगत सिंह वार्ड से पार्षद संगीता मनोज तिवारी को निर्विरोध अध्यक्ष बनाया जाएगा।

कलेक्टर को लिखा पत्र
उप सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग आरके कार्तिकेय ने बताया कि गढ़ाकोटा नगर परिषद अध्यक्ष पद से दीपा लहरिया ने त्यागपत्र दे दिया है, जिसे स्वीकार कर पद रिक्त घोषित कर दिया गया है। अध्यक्ष पद का चुनाव कराने के लिए सागर कलेक्टर को पत्र लिखकर है। यहां पार्षद मिलकर नगर परिषद का नया अध्यक्ष चुनेंगे।

देर रात 26 आईएएस अधिकारियों के तबादले

नीरज मंडलोई को ऊर्जा तो संजय शुक्ला को नगरीय विकास का जिम्मा

सिटी चीफ भोपाल।
मप्र सरकार ने सोमवार देर रात 26 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने दोनों प्रमुख सचिवों को मुख्यमंत्री कार्यालय से मुक्त करते हुए विभागीय जिम्मेदारी दे दी है। अब संजय कुमार शुक्ला नगरीय विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके पास योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी और विमानन विभाग रहेगा। हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त पद का अतिरिक्त प्रभार भी उन्हें दिया है।

आनंद विभाग भी संभालेंगे राघवेंद्र
वहीं, राघवेंद्र कुमार सिंह औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के भी प्रमुख सचिव होंगे। आनंद विभाग का उनके पास अतिरिक्त दायित्व रहेगा। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई को ऊर्जा विभाग के साथ महा पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ऊर्जा विभाग से हटे मनु श्रीवास्तव
गौरतलब है कि अनुराग जैन के मुख्य सचिव बनने के बाद से ही बड़े परिवर्तन की संभावना जताई जा रही थी। झारखंड से चुनाव प्रचार कर लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तबादला सूची को अंतिम रूप दिया। तब अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा यहां मौजूद थे। अब मुख्यमंत्री कार्यालय में कोई प्रमुख सचिव नहीं रह गया है। अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव से ऊर्जा विभाग वापस ले लिया गया है। वे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के साथ- साथ खेल एवं युवक कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव होंगे।

जनजातीय कार्य विभाग संभालेंगे बामरा
प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव अब श्रम के साथ-साथ खनिन साधन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग भी देखेंगे। खनिज निगम के प्रबंध संचालक व खनन कर्म भी रहेंगे। राजस्व मंडल से वापसी के बाद उन्हें यह प्रमुख दायित्व दिया गया है। इसी तरह गुलशन बामरा को जनजातीय कार्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। प्रमुख सचिव ई रमेश कुमार के पास अब केवल अनुसूचित जाति कल्याण विभाग रहेगा।

डॉ. कोठारी पर्यावरण विभाग के सचिव
सचिव स्तर के अधिकारियों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी को पर्यावरण विभाग का जिम्मा दिया है। आयुक्त शहडोल श्रीमन शुक्ल को आयुक्त आदिवासी विकास, सदस्य राजस्व मंडल मदन विभीषण नागरगोजे को आयुक्त हस्तशिल्प एवं हाथकरघा, सचिव चिकित्सा शिक्षा सुरभि गुप्ता को आयुक्त शहडोल, प्रबंध संचालक राज्य कृषि उद्योग विकास निगम दिलीप कुमार को आयुक्त उद्योग के साथ प्रबंध संचालक लघु उद्योग निगम, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन प्रियंका दास को अपर सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्याम, अपर सचिव श्रम प्रीति मैथिल को आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के साथ संचालक उद्यानिकी, आयुक्त हाउसिंग बोर्ड मनीष सिंह को अपर सचिव परिवहन के साथ प्रबंध संचालक सड़क परिवहन निगम तथा इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथारिटी का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया है।

अनुराग चौधरी को पिछड़ा वर्ग विभाग में भेजा
इसी तरह खनिज निगम के प्रबंध संचालक अनुराग चौधरी को अपर सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के प्रबंध संचालक मोहित बुंदस को आयुक्त रेशम के साथ अपर सचिव वन, संचालक पंचायत राज मनोज पुष्प को पंजीयक सहकारी संस्थाएं, परियोजना संचालक स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट गौतम सिंह को अपर सचिव राजस्व, अपर सचिव सामान्य प्रशासन गिरीश शर्मा को परियोजना संचालक स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, प्रबंध संचालक पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉरपोरेशन डॉ. पंकज जैन को प्रबंध संचालक भवन विकास निगम, प्रबंध संचालक महिला वित्त एवं विकास निगम निधि निवेदिता को प्रबंध संचालक मत्स्य महासंघ, उप सचिव पिछड़ा वर्ग एवं संख्या कल्याण कुमार पुरुषोत्तम को प्रबंध संचालक कृषि विपणन बोर्ड, अपर मिशन संचालक राज्य शिक्षा केंद्र उमा माहेश्वरी आर को आयुक्त सह संचालक भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी, आयुक्त सह संचालक भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी डा. सलोनी सिडाना को मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और उपसचिव राजस्व विभाग शुचिस्मिता सक्सेना को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदस्थ किया गया है।

राजौरा को लोकसेवा प्रबंधन विभाग का जिम्मा
उधर सरकार ने मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को लोक सेवा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया है। इसी तरह प्रमुख सचिव रश्मि अरुण। शमी को महिला एवं बाल विकास और संचालक जनसंपर्क अशुल गुप्ता को कार्यपालक निदेशक मध्य प्रदेश माध्यम का अतिरिक्त प्रभार दिया है।

भोपाल में सुबह चलेंगी सर्द हवाएं

इंदौर समेत इन जिलों में तापमान में गिरेगा

भोपाल. प्रदेश के तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। इसके चलते कहीं तापमान कम हुआ है तो कहीं इसमें वृद्धि हुई है। प्रदेश की राजधानी में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे आकर 14.8 डिग्री सेल्सियस किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री कम रहा। वहीं दिन में तीखी धूप की वजह से सोमवार को अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री की वृद्धि हुई और यह 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि नवंबर में यह दूसरी बार है, जब राजधानी में रात के तापमान का ग्राफ नीचे उतरा है। इसके पहले छह नवंबर को तापमान में गिरावट हुई थी।

मौसम में बदलाव
मौसम विज्ञानी पीके शाह ने बताया कि प्रदेश को प्रभावित करे, अभी ऐसा कोई सिस्टम नहीं है। इस वजह से मौसम में बदलाव नहीं हो रहे हैं। हवाएं जरूर उत्तर और उत्तर पूर्वी चल रही हैं, लेकिन उत्तर भारत में बर्फबारी नहीं होने से प्रदेश का तापमान कम नहीं हो रहा है।

पचमढ़ी में 10.6 डिग्री सेल्सियस तापमान
प्रदेश में सोमवार को सर्वाधिक अधिकतम तापमान निवाड़ी के पृथ्वीपुर में 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान पचमढ़ी में 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इसी तरह सागर, ग्वालियर, शहडोल संभाग के जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहे। अगले 24 घंटों में प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा।

बुधनी से अधिक विजयपुर में उपचुनाव का प्रचार थमा, जातिगत समीकरण साधने में जुटी भाजपा और कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल. प्रदेश में बुधनी और विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सोमवार शाम पांच बजे प्रचार थमने से पहले भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने जमकर प्रचार किया। दोनों का अधिक जोर विजयपुर में रहा। यहां मुकाबला कांटे का माना जा रहा है। भाजपा ने वन मंत्री रामनिवास रावत तो कांग्रेस ने पार्टी में कुछ समय पहले ही आए मुकेश मल्होत्रा पर दांव लगाया है।

अंतिम दिन डटे रहे शिवराज
प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी तो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयपुर में मोर्चा संभाला। मतदान 13 नवंबर को सुबह सात बजे से होगा। बुधनी विधानसभा सीट केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विजयपुर कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत के विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हुई है।बुधनी और विजयपुर में लड़ाई
भाजपा जहां बुधनी में अपना कब्जा बरकरार रखने के लिए जोर लगा रही है तो विजयपुर को भी अपने पाले में करना चाहती है। यहां से भाजपा ने रामनिवास रावत को मैदान में उतारा है, जो छह बार कांग्रेस से विधायक रहे हैं। विजयपुर में कांग्रेस मुरैना लोकसभा चुनाव में रामनिवास रावत द्वारा पार्टी छोड़कर किए गए नुकसान का हिसाब चुकता करना चाहती है। यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस ने विजयपुर सीट पर अधिक ध्यान दिया।

सचिन पायलट ने भी किया प्रचार
मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने यहां के सियासी समीकरणों को साधने के लिए रात्रि विश्राम भी किया तो कई सभाओं को संबोधित किया। वहीं, कांग्रेस ने यहां अपने सभी वरिष्ठ नेताओं को प्रचार में लगाया। जातिगत समीकरणों को प्रदेश के बाहर से एकमात्र स्टार प्रचारक राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को बुलाया तो आदिवासी और अनुसूचित जाति वर्ग के नेताओं को मैदान में उतारा।

डटे रहे पटवारी और शिवराज
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रचार थमने से पहले तक डटे रहे। उधर, बुधनी में पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोर्चा संभाला। प्रचार के अंतिम दिन तीन सभाएं करके कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। बुधनी पहुंचे तो कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, अरुण यादव से लेकर पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी सभी वरिष्ठ नेताओं ने सभाएं कीं।

घर-घर संपर्क का चलेगा दौर
प्रचार थमने के बाद अब घर-घर संपर्क और बंद कमरा बैठकों का दौर चलेगा। कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम आचार संहिता के उल्लंघन की परिधि में आएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि मतदान की सभी तैयारी हो चुकी है। मंगलवार शाम तक मतदान दल रवाना हो जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील केंद्र और क्षेत्रों में सशस्त्र बल के जवानों को तैनात किया गया है। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी

शौर्य स्मारक में सैन्य फिल्म प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 12 नवंबर को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।
परिचर्चा - आंचलिक विज्ञान केंद्र में बियॉन्ड द प्राइज - इंपेक्ट ऑफ नोबल पर पैनल चर्चा का आयोजन किया जा रहा है। समय सुबह साढ़े दस बजे से है।
माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में माह का प्रादर्श श्रंखला के तहत इस माह संब्रानी - एक पारंपरिक धूपदान का प्रदर्शन किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।
चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार अंजली बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी का संयोजन किया गया है। इस 55वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात 08 बजे तक देख सकते हैं।
काव्य विमर्श - आरएनटीयू के कथा सभागार में कवि विश्वास दुबे (नीदरलैंड) के काव्य संग्रह अहसासों की सिलवटें का लोकार्पण एवं विमर्श होगा। समय अपराह्न तीन बजे से है।

अभिनय कार्यशाला - हम थियेटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुतिपरक अभिनय कार्यशाला का आयोजन मायाराम सुरजन भवन में किया जा रहा है। 45 दिवसीय कार्यशाला में फिजिकल एक्सरसाइज, बॉडी मूवमेंट,वॉइस मॉड्यूलेशन, इंप्रोवाइजेशन, स्पीच, मेकअप और डायरेक्शन आदि का प्रशिक्षण देकर नाटक तैयार किया जा रहा है। अभिनय कार्यशाला का समय शाम छह बजे से है।
सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर सैन्य फिल्म टैमिंग आफ स्नो का प्रदर्शन शाम पांच बजे से होगा। यह फिल्म भारतीय सैनिकों के बर्फ में रहकर काम करने के प्रशिक्षण पर आधारित है।

सम्पादकीय

चुनावी वादों का बोझ

महाराष्ट्र में मुफ्त घोषणाओं की होड़

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जिस तरह से दोनों प्रमुख गठबंधनों – सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास आघाड़ी – ने चुनावी वादों का पिटारा खोल रखा है, वह बताता है कि इन दलों ने हाल के अनुभवों और अपने नेताओं की नसीहतों से कोई सीख नहीं ली है।

यह बात बार-बार कही जाती रही है कि राजनीतिक दल चुनाव के दौरान वादे करने में अतिरिक्त उदारता दिखाते हैं, जिससे एक तरफ खजाने पर बोझ बढ़ता है तो दूसरी तरफ इन दलों की साख पर भी सवाल उठते हैं। ताजा उदाहरण कर्नाटक का है, जहां अव्यावहारिक वादों के बल पर चुनाव जीतने के बाद राज्य सरकार के लिए उन्हें पूरा करना मुश्किल साबित हो रहा है। संभवत- इसीलिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के वादे पर पुनर्विचार की बात कही, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उन्हें फटकार लगानी पड़ी कि उनके बयान से महाराष्ट्र के मतदाताओं को गलत संदेश जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुफ्त की घोषणाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव अभियान पर किसी भी खेमे में इन बातों का कोई असर नहीं दिख रहा। सत्तारूढ़ महायुति (यानी BJP, शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली NCP) ने लाड़की बहिण योजना में दी जाने वाली राशि 1500 मासिक से बढ़ाकर 2100 मासिक करने के साथ ही नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना में किसानों को दी जाने वाली राशि भी 12000 रु मासिक से बढ़ाकर 15000 रुपये मासिक करने का वादा किया है। दूसरी ओर विपक्षी महाविकास आघाड़ी (यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली NCP) ने महिलाओं को 3000 रुपये मासिक और मुफ्त बस सेवा देने का वादा किया है। इन वादों से राजकोष पर पड़ने वाले बोझ की बात करें तो महायुति की लाड़की बहिण योजना में हुए इजाफे से इस पर सालाना खर्च 63000 करोड़ रुपये हो जाएगा, जो इस योजना के मौजूदा बजट में 40 फीसदी का इजाफा है। नमो शेतकरी महासम्मान निधि में भी बढ़ोतरी का वादा इसके खर्च में सालाना 25 फीसदी का इजाफा कर देगा। ऐसे ही महाविकास आघाड़ी का महिलाओं को 3000 रुपये मासिक कैश देने का वादा राजकोष पर सालाना 90,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालेगा। यह स्थिति तब है जब इसी जुलाई में विधानसभा में रखी गई ष्ट्वत रिपोर्ट ने याद दिलाया कि राज्य पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। उसे 2.75 लाख रुपये का कर्ज अगले सात वर्षों में चुकाना है। यही नहीं 94,845.35 करोड़ रुपये का मार्केट लोन और 83,453.17 करोड़ रुपये ब्याज अगले दो वर्ष में यानी वित्त वर्ष 2025-26 तक चुकाने हैं। जाहिर है, राजनीति को थोड़ा और जिम्मेदार होने की जरूरत है।

आर्य ही थे सरस्वती सिंधु सभ्यता के जनक...!

सरस्वती सिंधु नदी के किनारों पर पल्लवित हुई भारत की प्राचीनतम् सभ्यता का आर्यों से क्या संबंध था? यह एक ऐसा प्रश्न है जो 100 वर्षों से भारतीय इतिहास में सर्वाधिक चर्चित रहा है द्य मूल रूप से तो इस प्रश्न का उत्तर पुरातात्विक उत्खननों व उसके अध्ययन में निहित है द्य विगत् तीन दशकों में हुई नवीन खोजों ने इस प्रश्न के उत्तर का मार्ग प्रशस्त करा है

मानव सभ्यता का प्राचीनतम ग्रंथ जो ऋग्वेद के नाम से प्रसिद्द है, आर्यों का ही ग्रंथ है द्य ऋग्वेद के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि आर्यों की बसाहट वर्तमान समय में लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी व सिंधु नदी के किनारों पर ही अवस्थित थी द्य कई इतिहासकारों का ऐसा मत है कि आर्यों का समाज पूर्ण रूपेण ग्रामीण समाज था द्य परन्तु यह तथ्य उल्लेखनीय है की ऋग्वेद में ग्राम शब्द से कई अधिक बार नगर शब्द का उल्लेख है

ऋग्वेद के ही छठे मंडल के 46 वें सूक्त में एक ऐसे घर की कामना की गई है जो ईंटों का बना हो द्य इस प्रकार के घर तो उस काल में केवल सरस्वती व सिंधु नदी के किनारों पर ही अवस्थित थे द्य आर्य कोई ग्रामीण संस्कृति के वाहक नहीं थे द्य उनकी सभ्यता में तो नगर व ग्राम दोनों का ही अस्तित्व था हम सब जानते हैं कि यज्ञ पूजा आर्यों के धर्म का एक प्रमुख अंग था द्य यहां यह बात उल्लेखनीय है कि इसी सभ्यता के सबसे बड़े पुरास्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) से 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को कई यज्ञवेदियां उत्खनन में प्राप्त हुई थीं द्य इन यज्ञवेदियों की तिथि वर्तमान समय से 4500 वर्ष पूर्व की है द्य यह अवशेष इस बात को कहते हैं कि राखीगढ़ी व इस विशाल सभ्यता में निवासरत लोग वैदिक परम्परा के अनुयायी थे जिसका संबंध आर्यों से है

यह तो सर्वविदित है की आर्यों ने द्रुतगामी वाहन के तौर पर अश्व का उपयोग किया था द्य सरस्वती सिंधु सभ्यता के कई पुरास्थलों से हमें अश्व की हड्डियां व मृण्मूर्तियां प्राप्त हुई हैं द्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की उत्खनन विवर्णिकाओं के अनुसार सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, राणाघुंडई, शिकारपुर, राखीगढ़ी, कुणाल आदि पुरास्थलों से अश्व के साक्ष्य विभिन्न स्वरूपों में प्राप्त हुए हैं द्य अत: यह कहना की सरस्वती सिंधु सभ्यता में अश्व विद्यमान नहीं था तथा इस आधार पर उस सभ्यता को आर्यों से अलग कर देना तथ्यपरक नहीं है द्य इस सभ्यता में अश्व उपलब्ध था तथा इसके पर्याप्त पुरातात्विक प्रमाण हमारे पास उपलब्ध हैं

राखीगढ़ी से प्राप्त योनि आकार की यज्ञ वेदी कुछ इतिहासकारों का यह मत था की सरस्वती सिंधु सभ्यता के पतन के पश्चात आर्य मध्य एशिया से भारत में आए थे पूर्ण रूपेण पूर्वाग्रह से ग्रसित है

अमेरिका के दो प्रसिद्द मानव वैज्ञानिकों ने अपने शोध के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है कि भारत में उत्तर पश्चिम क्षेत्र में वर्तमान समय से 6500 वर्ष पूर्व से 2800 वर्ष पूर्व के मध्य इस क्षेत्र में कोई डेमोग्राफिक डिसरप्शन हुआ ही नहीं है द्य अत: कुछ विद्वानों का ऐसा कहना की आज से 3500 वर्ष पूर्व आर्य नामक लोग मध्य एशिया से भारत में आए थे वैज्ञानिक रूप से तथ्यहीन ही है

इतना ही नहीं सिनौली (बागपत) से उत्खनन में मिले 4000 वर्ष पूर्व के काष्ठ व ताम्र निर्मित रथ ने आर्य आगमन या आक्रमण के मिथक के ताबूत में अंतिम कील ठोकने का कार्य किया है द्य पूर्व में ऐसा कहा जाता था की 3500 वर्ष पूर्व आर्य ही भारत में रथ लेकर आए थे

उपरोक्त पुरातात्विक विवरण इस मत को बल प्रदान करते हैं की भारत की प्राचीनतम सरस्वती सिंधु सभ्यता के जनक व उसमे निवासरत लोग वैदिक परम्पराओं का अनुसरण करने वाले आर्य ही थे द्य भारतीय समाज के पूर्वज आर्यों को उस सभ्यता से अलग रखना व ऐसा कहना की वे तो मध्य एशिया से आए थे वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों को दरकिनार करने जैसा है

सीजेआई चंद्रचूड़ का रिटायरमेंट और बंगाल के 5 मामले

जस्टिस और चीफ जस्टिस की हैसियत से कई महत्वपूर्ण फैसले देने वाले सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल 10 नवंबर 24 को समाप्त हो गया। डीवाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल समाप्त जरूर हो गया लेकिन पश्चिम बंगाल के 5 महत्वपूर्ण मामलों का क्या हुआ? जिसकी सुनवाई जस्टिस चंद्रचूड़ की सिंगल और डिवीजन बेंच में चल रही थीं। पूरे राय की निगाहें जिस पर टिकी हुई हैं। कौन से हैं वह 5 महत्वपूर्ण मामले और क्या है उनकी मौजूदा स्थिति व प्रगति इस पर एक नजर डालते हैं।

आरजी कर रेप एंड मर्डर कांड

पश्चिम बंगाल के 5 महत्वपूर्ण मामलों में फिलहाल सबसे ताजा व सबसे चर्चित मामला है, आरजी कर हॉस्पिटल एंड कॉलेज में जूनियर डॉक्टर का रेप और मर्डर। चीफ जस्टिस की हैसियत से डीवी चंद्रचूड़ ने इस मामले की 18 अगस्त22 को स्वत: संज्ञान लेते हुए 20 अगस्त22 को पहली सुनवाई किए थे। हर सुनवाई में सीबीआई स्टेटस रिपोर्ट जमा करती थी और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी ध्यान आकर्षित करती थी। पहला स्टेटस रिपोर्ट देखकर ही काफी चिंतित व विचलित हुए थे। इन्होंने कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां भी दी।

जैसे, विकिपीडिया और सोशल मीडिया से पीड़िता-मृतका का तस्वीर, नाम और परिचय तत्काल हटाये जाने का सख्त निर्देश दिए। अस्पतालों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरा निर्धारित समयसीमा के अंदर पर्याप्त संख्या में लगाने का निर्देश दिए। राय सरकार महिला स्वास्थ्य कर्मियों की रात्रि सेवा पर रोक लगाने की निर्देश दी थी, उस आदेश को तत्काल रदद् करने का निर्देश दिए। सिविक वालंटियर्स पर राय सरकार से जवाब मांगे। इनकी नियुक्ति कैसे व किस आधार पर होती है? कॉन्ट्रेक्ट कर्मचारी की नियुक्ति संवेदनशील स्थान पर क्यों होती है? इससे संबंधित कुल पांच सवालों का जवाब मांगे थे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के द्वारा आखिरी सुनवाई 7 नवंबर के दिन इस विषय की कोई जानकारी सामने नहीं आई। अगली सुनवाई 10 दिसंबर22 को होने की संभावना है।

ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द मामला पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा जारी 12 लाख से अधिक ओबीसी सर्टिफिकेट को कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। लिहाजा नौकरी व सुविधा प्राप्त लोगों का भविष्य अधर में लटक गया। राय सरकार कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के बेंच में 18 जून22 को पहली सुनवाई हुई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने राय सरकार से रिपोर्ट तलब जरूर की।

कौन लोग ओबीसी में हैं? सरकार कैसे तय करती है? किस आधार पर ओबीसी सर्टिफिकेट देती है? ओबीसी से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा करने का निर्देश दी। इस मामले में कुछ खास तेजी या प्रगति देखने को नहीं मिली। वकीलों ने 7 नवंबर को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से इस प्रसंग पर जरूर सवाल पूछा था। इस मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर22 को होने की संभावना है।

26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द

कलकत्ता हाई कोर्ट ने राय सरकार द्वारा दिये गए 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने साल 2016 में की गई पूरी नियुक्ति प्रकिया को ही रद्द घोषित कर दिया। साथ ही शिक्षकों को प्राप्त वेतन लौटाने का निर्देश दिया और राय सरकार से इस पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। राय सरकार कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

राय शिक्षा दफ्तर, स्कूल सर्विस कमीशन, माध्यमिक शिक्षा परिषद और इसके बाद नौकरी गंवाने वालों की अछी खासी संख्या ने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में 24 जुलाई को पहली सुनवाई हुई और सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पूरी होने तक स्थगनादेश दे दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ही 26 हजार शिक्षकों का भविष्य निर्भर करता है। ऐसे में यह शिक्षक आशंकित और आतंकित हैं. इस मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर22 को होने की संभावना है।

रायपाल के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप

यह मामला बंगाल के रायपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप से जुड़ा है। रायपाल पर राजभवन की ही एक महिला संविदा कर्मचारी ने छेड़छाड़ का आरोप कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में लगाया था, लेकिन संवैधानिक प्रावधान के चलते उन पर कोई केस दर्ज नहीं हुआ। (संविधान का अनुछेद 361 प्रावधान रायों के रायपालों और राष्ट्रपति को किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे से पूरी तरह की छूट देता है) इसके बाद उक्त महिला कर्मचारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें रायपाल को छूट देने वाले संविधान के अनुछेद 361 की न्यायिक जांच और विशेष दिशा-निर्देश देने की मांग की।

19 जुलाई22 को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में इस मामले की पहली और आखिरी सुनवाई हुई।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से मदद मांगी साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार को भी नोटिस जारी किया, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल राजभवन की महिला कर्मचारी से कहा है कि वह अपनी याचिका में केंद्र सरकार को भी पार्टी बनाए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुछेद 361 की रूपरेखा की जांच करने के लिए तैयार हो गया. हालांकि 19 जुलाई को हुई एकमात्र सुनवाई के बाद इस मामले की ताजा स्टेटस रिपोर्ट की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है न ही अगली सुनवाई की कोई तिथि निश्चित है।

मेडिकल कॉलेज नियुक्ति मामला

मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति मामला काफी सुर्खियों में रहा था। दो जजों की लड़ाई ने इस मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा दिया। जनवरी22 में जस्टिस अभिजीत गांगुली (बीजेपी के मौजूदा लोकसभा सांसद) ने मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति को रद्द कर सीबीआई जांच का आदेश दिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौमेन सेन की डिवीज़न बेंच ने जस्टिस अभिजीत गांगुली की सिंगल बेंच के फैसले को रद्द कर दिया।

जस्टिस गांगुली डिवीज़न बेंच के खिलाफ कई सारे अभियोग व आरोप लगाते हुए फैसले को त्रुटिहीन बताया और अपने फैसले पर अडिग रहे। हाईकोर्ट में इस बेनजीर स्थिति को देखते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने 27 जनवरी22 को स्वत: संज्ञान लेते हुए शनिवार छुट्टी के दिन 29 जनवरी22 को सुनवाई किए।

मेडिकल में नियुक्ति के सारे मामले कलकत्ता हाई कोर्ट से हटाए जाने के साथ ही काफी तीखी टिप्पणी किये. सिंगल और डिवीज़न बेंच के इस लड़ाई को अछी निगाह से नहीं देखा जा रहा है. इसके अतिरिक्त और कुछ कहने से हाई कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचेगी. दो जजों की लड़ाई में उलझे इस मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर22 को होने की संभावना है।

बहरहाल, यह पांच महत्वपूर्ण मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं जिनकी सुनवाई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में हो रही थी। इसमें दो मामले ऐसे हैं जिसे उन्होंने स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई की थी। आरजी कर रेप एंड मर्डर कांड और मेडिकल कॉलेज नियुक्ति मामला। नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने दायित्व संभाल लिया है और इनका कार्यकाल 1 मई 2025 तक है. छह महीने कुछ दिन के इस कार्यकाल में कुछ मामलों का फैसला आ पायेगा क्या? यह देखने वाली बात होगी।

फिरहाद के खिलाफ किससे करे कोई फरियाद?

ममता बनर्जी के विशेष आशीर्वाद व वरदहस्त प्राप्त मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम अक्सर जोश में होश खोकर बेलगाम कुछ भी बोल जाते हैं। दरअसल, विवादित बयानों से फिरहाद हकीम का शुरू से चोली दामन का रिश्ता रहा है। वैसे भी इनके बयानों को लेकर विरोध व हंगामा के अतिरिक्त इनके विरूद्ध कभी भी किसी भी तरह की अदालती, प्रशासनिक या दलीय कोई कार्रवाई हुई ही नहीं। लिहाजा इनका हौसला लगातार बढ़ता गया, बहुत विरोध हुआ तो खानापूर्ति के लिए इन्होंने माफी मांग लिए। इनके इसी तरह के कुछ संवेदनशील और विवादित बयानों पर एक नजर डालते हैं।

शुरुआत इनके हालिया बयान से ही करते हैं, जिससे न केवल राजनीति बल्कि पूरे राज्य का माहौल गरमा गया है। थोड़ा पीछे चलते हैं, लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान संदेशखाली काफी सुर्खियों में रहा था। फिर एक बार सुर्खियां बन रहा है। उस वक़्त सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और थी। फिलवक्त सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और है। एक समानता है कि उस वक्त रेखा पात्रा बसिरहाट लोकसभा सीट से बीजेपी की उम्मीदवार थीं।

ममता बनर्जी के विशेष आशीर्वाद व वरदहस्त प्राप्त मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम अक्सर जोश में होश खोकर बेलगाम कुछ भी बोल जाते हैं।

दरअसल, विवादित बयानों से फिरहाद हकीम का शुरू से चोली दामन का रिश्ता रहा है। वैसे भी इनके बयानों को लेकर विरोध व हंगामा के अतिरिक्त इनके विरूद्ध कभी भी किसी भी तरह की अदालती, प्रशासनिक या दलीय कोई कार्रवाई हुई ही नहीं। लिहाजा इनका हौसला लगातार बढ़ता गया, बहुत विरोध हुआ तो खानापूर्ति के लिए इन्होंने माफी मांग लिए। इनके इसी तरह के कुछ संवेदनशील और विवादित बयानों पर एक नजर डालते हैं।

शुरुआत इनके हालिया बयान से ही करते हैं, जिससे न केवल राजनीति बल्कि पूरे राज्य का माहौल गरमा गया है। थोड़ा पीछे चलते हैं, लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान संदेशखाली काफी सुर्खियों में रहा था। फिर एक बार सुर्खियां बन रहा है। उस वक़्त सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और थी। फिलवक्त सुर्खियों में रहने की वजह कुछ और है। एक समानता है कि उस वक्त रेखा पात्रा बसिरहाट लोकसभा सीट से बीजेपी की उम्मीदवार थीं।

गौरतलब है कि इनके मित्र संदेशखाली के रहने वाले हैं और जहां शादी तय हुई थी कैनिंग, यह इन्हीं का इलाका है। बावजूद इसके इन्होंने मित्र के लिए स्वयं कुछ नहीं किया।

यह सिर्फ इस तरह की ही भाषणबाजी करते हैं।

फिरहाद हकीम उर्फ बॉबी हकीम ने इस हंगामे से करीब चार महीने पहले भी एक विस्फोटक बयान दिया था। 3 जुलाई 2024 को एक दिए बयान में गैर-मुस्लिमों को बदकिस्मत बताया था और सार्वजनिक तौर पर इस्लाम कबूल करने का आह्वान किया था।

अप्रैल 16 में कोलकाता के मुस्लिम बहुल इलाके खिदिरपुर व मटियाबुर्ज को %मिनी पाकिस्तान% करार दिया था। फरवरी 21 में कोलकाता के ही एक मस्जिद में राजनीतिक भाषण देते हुए देखा और सुना गया था जबकि यह आदर्श आचार संहिता का सरासर उल्लंघन था। हद तो तब हुई थी जब दिसंबर 23 में पश्चिम बंगाल की मुख्य भाषा बांग्ला पर हमला करते हुए कहा था कि एक ऐसा समय आएगा जब पश्चिम बंगाल के 50 प्रतिशत लोग केवल उर्दू बोलेंगे।

बांग्ला भाषियों ने भी इसका पुरजोर विरोध किया था और इन्होंने हमेशा की तरह माफी मांग ली थी। सवाल है कि फिरहाद के खिलाफ आखिर किससे कोई करे फरियाद।

मेगा जॉब फेयर/अप्रेंटिसशिप मेला के माध्यम से 669 युवाओं का हुआ प्रारंभिक चयन

युवाओं को मेला के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास सराहनीय - कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि कौशल उन्नयन के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जा रहा है। किताबी ज्ञान के साथ ही युवाओं का कौशल उन्नयन भी आवश्यक है। सरकार द्वारा लगातार इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल शासकीय आईटीआई अनूपपुर परिसर में आयोजित प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिश मेला मेगा जॉब फेयर 2024-25 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक श्री शशांक प्रताप सिंह, आईटीआई के प्राचार्य श्री वेद प्रकाश, जिला अग्रणी प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया श्री अजीत नाम्बियार, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री आर.एस. डावर, उद्यान विभाग के सहायक संचालक श्री सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, नगर निरीक्षक पुलिस श्री अरविन्द जैन सहित बड़ी संख्या में युवा तथा विभिन्न कम्पनियों के अधिकारी तथा जिले के विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश के अंतिम छोर के जिले अनूपपुर में 21 कम्पनियों द्वारा जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जो प्रारम्भिक चयन किया गया है। वह युवाओं के भविष्य को गढ़ेगा। उन्होंने शासन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार प्रदेश एवं देश को स्वर्णिम बनाने तथा दुनिया का नम्बर एक राष्ट्र बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जब हमारा देश आजादी का 100 वाँ वर्ष मनाए, तो हम विकसित राष्ट्र की श्रेणी में हों, इस संकल्प के साथ सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर हाथ को काम, हर खेत को पानी तथा स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाएं सरल, सुलभ हों इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मेगा जॉब फेयर/अप्रेंटिसशिप मेला के आयोजन के लिए जिला प्रशासन को भी धन्यवाद देते हुए युवाओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यक्रम में खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं का आव्हान किया कि वह विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं का लाभ उठाएं तथा 8 से 50 लाख तक के स्वरोजगार प्रकरण तैयार कर उद्यमशील बनें। उन्होंने युवाओं से खादी ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं का लाभ के लिए जिला पंचायत कार्यालय में स्थापित ग्रामोद्योग प्रकोष्ठ से सम्पर्क करने की अपील की। उन्होंने बताया कि खादी ग्रामोद्योग विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं में 30 से 35 प्रतिशत तक के अनुदान उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया है।

इस अवसर पर विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की सरकार लोककल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से हर जरूरतमंद को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी प्रकाश डाला तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के सद्प्रयासों की सराहना की।

मेले में 21 कंपनियों के अंतर्गत रोजगार हेतु इच्छुक 1234 युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया, जिनमें से 669 युवक-युवतियों को प्रारंभिक चयन का जॉब आफर लेटर प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एनआरएलएम के जिला प्रबंधक श्री दीपक मोदनवाल द्वारा किया गया।

मंत्री ने मौके पर वितरित किए हितलाभ व जॉब ऑफर लेटर

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिश मेला मेगा जॉब फेयर 2024-25 कार्यक्रम के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने हितलाभ का वितरण किया। जिसमें लर्नेट स्किल्स अनूपपुर के लिए श्यामकली सिंह, पूनम चावले, एसआईएस अनूपपुर के लिए रोहित कुमार सिंह, गणेश सिंह, शिवशंकर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, न्यूट्रीएन्टी क्राप प्राईवेट लिमि. बिलासपुर के लिए विपांशु महरा, पीएमकेयूवाई अनूपपुर के लिए श्री नीतीश कुमार सिंह, श्री संदीप भगाड़े, टाटा मोटर्स के लिए 8 लोगों को, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 3, मदर्सन गुजरात के लिए 3, श्री निवास कम्पनी के लिए 3, एफआईएटी के लिए 01, सागर मैन्यूफैक्चुरर के लिए 01 युवा को प्रारंभिक चयन के प्रमाण पत्र दिए गए। इसी तरह आजीविका मिशन के स्वसहायता समूह फुनगा, आमाडांड़, बिजुरी, बसनिहा, वेंकटनगर, जैतहरी, अनूपपुर के 48 प्रकरणों में सीसीएल राशि 01 करोड़ 22 लाख का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के रिटेल ट्रेड हेतु श्री पुष्पेन्द्र त्रिपाठी अनूपपुर, श्री संजय सोनकर अनूपपुर को चेक प्रदान किया गया। पशुपालन विभाग दीनदयाल राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

उमरिया जिले में खेत में काम कर रही महिला पर सियार का हमला

कटनी जिला अस्पताल में इलाज जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले से लगे उमरिया जिले के इन्दवार थाना क्षेत्र खलौंद ग्राम की निवासी एक महिला को सियार ने खेत में काम करने के दौरान हमला कर दिया इस हमले में महिला के दोनों हाथ ओर सिर पर गंभीर चोट आई है जिसका इलाज कटनी जिला अस्पताल में जारी है। घायल महिला अनसुईया चौधरी के पति रामकरण चौधरी ने बताया कि वे लोग उमरिया जिले के इंदवार थाना क्षेत्र खलौंद ग्राम के निवासी है और उसकी पत्नी खेत में काम कर रही थी उसी दौरान एक सियार ने उस पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। अनसुईया चौधरी के सिर ओर दोनों हाथों में सियार के काटने के गहरे निशान है। जिसे पहले बरही स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था जहां से उसे कटनी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है जहां महिला का इलाज जारी है।

कटनी जिले के बरही नगर स्थित खितौली के एम पी ई बी कार्यालय से 25 हजार की रिश्वत लेते जे.ई. के साथ अन्य प्राइवेट कर्मी को रंगे हाथ जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने अरेस्ट किया है।

लोकायुक्त टीम उप पुलिस अधीक्षक सुरेखा परमार ने बताया कि आवेदक बलराम दास पटेल एवं नवनीत बरही निवासी है। आरोपी खितौला के MPEB कार्यालय में पदस्थ ष्ठश्व राजीव चतुर्वेदी एवं स्श्व चंचल गुप्ता,रवि कुमार बर्मन को आज 25 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ अरेस्ट किया है। प्रार्थी बलराम दास पटेल एमपीईबी कटनी में बी क्लास का ठेकेदार है ग्राम लोहरवाड़ा जिला कटनी के उपभोक्ता राजेश पटेल के राइस मिल के लिए 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए एस्टीमेट एवं डिमांड नोट तैयार करने के संबंध में आरोपी डी ई राजीव चतुर्वेदी से मिला जिसने इस कार्य के लिए 80 हज़ार रुपए रिश्वत की मांग की। वही जब प्रार्थी MPEB खतौली ए ई चंचल गुप्ता से भी मिला तो उसके द्वारा इस कार्य के लिए 40 हजार रुपए की मांग की थी जिस पर आज जब 25 हज़ार की राशि प्रार्थी द्वारा आरोपी चंचल गुप्ता को दिए वहा मौजूद लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया।

संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन

सेंट जोसेफ बिजुरी ए टीम बनी विजेता

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

राजनगर/अनूपपुर, जिले के जिला वॉलीबॉल संघ के मार्गदर्शन में कोयलांचल क्लब द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 9 और 10 नवंबर को न्यु राजनगर के वॉलीबॉल ग्राउंड में किया गया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में कुल 12 टीमों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से जयसिंहनगर, उमरिया, जलसार, राजनगर, कोलांचल क्लब, भलमुड़ी, जैतहरी, अनूपपुर, सेंट जोसेफ ए और सेंट जोसेफ बी की टीमें शामिल थीं।

फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण फाइनल मुकाबला सेंट जोसेफ स्कूल ए और कोलांचल क्लब राजनगर के बीच खेला गया, जिसमें सेंट जोसेफ बिजुरी ए की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 25-23 और दूसरा सेट 25-21 से जीतकर प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। कोलांचल क्लब राजनगर उपविजेता रही प्रतियोगिता के अन्य व्यक्तिगत पुरस्कारों में बेस्ट लिफ्टर का खिताब छैय्या को मिला, बेस्ट डिफेंडर सागर रहे, बेस्ट ब्लॉकर का पुरस्कार शुभांश को और बेस्ट स्मैशर सतेन्द्र को मिला। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में आशीष मरावी को सम्मानित किया गया। वहीं बालिका वर्ग में भी सद्भावना मैच का आयोजन किया गया, जिसमें कोयलांचल क्लब सीनियर ने कोयलांचल क्लब जूनियर को हराकर विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में विजेता टीम को 7,000 रुपए नकद और ट्रॉफी, तथा उपविजेता टीम को 4,000 रुपए नकद और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। बालिका वर्ग की विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली बालिकाओं को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथियों के विचार इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद बनगवा अध्यक्ष यशवंत सिंह, नगर परिषद् डूमर कछार अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया उपस्थित रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष प्रेमचंद यादव, जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, उपाध्यक्ष रमेश तिवारी,शोभनाथ प्रचेता, फुटबॉल संघ के सचिव नंदलाल यादव, सह सचिव सुमिता शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने अपने उद्बोधन में जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की और बताया कि अनूपपुर जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं। नगर परिषद् बनगवा के अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि वॉलीबॉल ग्राउंड में दी जाएगी सारी सुविधाएं, प्रकाश , अतिक्रमण मुक्त एवं पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से प्रदान की जाएगी और राष्ट्रीय स्तर का प्रतियोगिता भी कराया जाएगा,डूमर कछार के अध्यक्ष सुनील चौरसिया ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है और जो भी संसाधन की आवश्यकता होगी, उसे पूरा किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रेमचंद यादव ने कहा कि कोयलांचल क्षेत्र में वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

संरक्षक मंडल और आयोजन की सफलता प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला वॉलीबॉल संघ के संरक्षक लक्ष्मण राव, अरुण कुमार सिंह, आशीष त्रिपाठी, पंकज अग्रवाल, और जिला अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह, रामखेलावन राठौर, उपाध्यक्ष विनोद बिंदेश्वरी पांडेय, अमित शुक्ला, शोमनाथ प्रचेता, विनोद सोनी, रमेश तिवारी, सचिव रामचन्द्र यादव कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव सह कोषाध्यक्ष उमेश, स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर सह सचिव दिनेश कुमार सिंह सह सचिव मिथलेश सिंह नेताम,श्रीमती सुमिता शर्मा, हरीशंकर यादव का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। साथ ही सह सचिव राष्ट्रीय ट्रेनर एवं स्टेट रेफरी दिनेश कुमार सिंह, स्टेट रेफरी जितेन्द्र पनिका और वरिष्ठ खिलाड़ी राजेंद्र यादव ने निर्णायक भूमिका निभाई।उदर कुमार, जेपी श्रीवास्तव, राम आश्रय यादव,समय पटेल, पार्षद मनोज चंदेल, बृजेश कुशवाहा, समाज सेवक राजकुमार, निर्णायक के रूप में राष्ट्रीय ट्रेनर स्टेट रेफरी जिला वालीबाल संघ के सहसचिव दिनेश कुमार सिंह चंदेल और स्टेट रेफरी जितेंद्र पनिका और राजेंद्र यादव के साथ जिला वालीवाल संघ के सह सचिव हरिशंकर यादव, राजेश श्रीवास्तव, रामजी बिन्द छाई, अंकित यादव, सागर, रोहित का अमूल योगदान के साथ अंत में जिला वालीवाल संघ के सचिव रामचंद्र यादव के द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता समाप्त हुआ.

कटनी के खितौली में रिश्वत लेते MPEB कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

जबलपुर लोकायुक्त की कार्रवाई, 25 हजार की राशि बरामद

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के बरही नगर स्थित खितौली के एम पी ई बी कार्यालय से 25 हजार की रिश्वत लेते जे.ई. के साथ अन्य प्राइवेट कर्मी को रंगे हाथ जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने अरेस्ट किया है।

लोकायुक्त टीम उप पुलिस अधीक्षक सुरेखा परमार ने बताया कि आवेदक बलराम दास पटेल एवं नवनीत बरही निवासी है। आरोपी खितौला के MPEB कार्यालय में पदस्थ ष्ठश्व राजीव चतुर्वेदी एवं स्श्व चंचल गुप्ता,रवि कुमार बर्मन को आज 25 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ अरेस्ट किया है। प्रार्थी बलराम दास पटेल एमपीईबी कटनी में बी क्लास का ठेकेदार है ग्राम लोहरवाड़ा जिला कटनी के उपभोक्ता राजेश पटेल के राइस मिल के लिए 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए एस्टीमेट एवं डिमांड नोट तैयार करने के संबंध में आरोपी डी ई राजीव चतुर्वेदी से मिला जिसने इस कार्य के लिए 80 हज़ार रुपए रिश्वत की मांग की। वही जब प्रार्थी MPEB खतौली ए ई चंचल गुप्ता से भी मिला तो उसके द्वारा इस कार्य के लिए 40 हजार रुपए की मांग की थी जिस पर आज जब 25 हज़ार की राशि प्रार्थी द्वारा आरोपी चंचल गुप्ता को दिए वहा मौजूद लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया।

कटनी में बाढ़ पीड़ितों को मिला मुआवजा वापस करने का नोटिस

ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले में बारिश के मौसम हुई बारिश से जिला ही नहीं ग्रामीण इलाकों में जल भराव की स्थित निर्मित हो गई थी वही जिले के ढीमरखेड़ा के पिपरिया शुक्ल गांव में आए बाढ़ कई घर डूब गए थे।जलभराव के चलते काई घर क्षतिग्रस्त भी हो चुके थे। जिनका ढीमरखेड़ा तहसील के अधिकारियों ने कई बार सर्वे कर ग्रामीणों को मुआवजा राशि दी गई थी लेकिन अब ढीमरखेड़ा का प्रशासन जिन पीड़ितो को मुआवजा दिया था उन्हें अपात्र घोषित कर मुआवजा राशि वापस करने का नोटिस जारी कर राशि वापस मांगी जा रहा है। इनमें से कुछ पीड़ित ऐसे भी जिन्हें मुआवजा भी नहीं मिला और उन्हें भी ढीमरखेड़ा तहसील के अधिकारी नोटिस थमा उनसे भी राशि मांगी जा रही है। जिसको लेकर पीड़ित ग्रामीण समाजवादी के बैनर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और शिकायत पत्र दे न्याय की मांग की है।

बाढ़ पीड़ितो ने आरोप लगाते हुए बताया कि ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम पिपरिया शुक्ल में बारिश के दिनों में उनका गांव डूब गया था और तहसील स्तर पर उनके घरों का काई बार सर्वे कर उन्हें जिला प्रशासन की तरफ से मुआवजा राशि दी गई थी लेकिन अब ढीमरखेड़ा तहसील के अधिकारी सभी बाढ़ पीड़ितो को अपात्र घोषित कर नोटिस थमा उनसे राहत राशि वापस मांगी जा रही है। कुछ पीड़ित ग्रामीण ऐसे भी है जिन्हें मुआवजा की राशि मिली भी नहीं है और उन्हें भी नोटिस थमा उनसे से मुआवजा की राशि मांगी जा रही है। जिसको लेकर सभी बाढ़ पीड़ित कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच न्याय की गुहार लगाई है।

कटनी में बारातियों से भरी बस पलटी

30 लोग घायल, 6 गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी के कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कटनी कन्हवारा रोड पर सोमवार की तड़के लगभग पांच बजे बारातियों को लेकर जा रही है एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बारातियों से भरी बस में सवार लगभग 60 बरतियों में से 30 बाराती घायल हो गए। घायलों में 22 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। आधा दर्जन बारातियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही बिना समय गंवाए कुठला थाना प्रभारी एवं उनकी टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाते हुए बस को एक तरफ हटवाया। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी संतोष डहेरिया ने बताया कि कल दिनांक 10 नवंबर 2024 को कटंगी के शाहरुख चौहान पिता सम्मू चौहान नामक युवक की शादी कैमोर के रहने वाले इदरीश कुरैशी की लड़की ज़िहारा से हुई थी। जिसकी बारात विवाह के बाद वापस लौट रही थी। लौटते समय सुबह करीब 5 बजे यह सूचना मिली कि लमतरा ब्रिज से कन्हवारा ग्राम की तरफ जाने वाली रोड पर एक बस पलट गई है। घटना की सूचना मिलते ही कटनी पुलिस के तमाम आलाधिकारी सक्रिय हो गए और उन्होंने इस घटना पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए थाना प्रभारी अभिषेक चौबे और उनकी टीम को निर्देशित किया। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे और उनकी टीम मौके पर पहुंचकर देखा गया तो बुनियाद ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP 20 ZL 7773 रोड पर पलटी हुई थी, घायल सड़क पर लेटे हुए थे। कुठला पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए घायलों को तत्काल 108 थाना मोबाइल एवं हंड्रेड डायल की मदद से अस्पताल पहुंचाया। घायलों के इलाज के लिए पुलिस बल और अस्पताल टीम को अलर्ट किया गया। क्रेन के माध्यम से बस को एक साइड करवाया गया है ताकि आम रास्ता बाधित न हो। एडिशनल एसपी संतोष डहेरिया ने जानकारी देते हुए कहा कि हादसे का शिकार हुई मैरिज पार्टी की बस थी जो कैमोर से कटंगी की ओर जा रही थी। रास्ते में ड्राइवर और क्लीनर के बीच में किसी बात को लेकर बहस हो गई, जिसकी वजह से ड्राइवर का ध्यान भटका और बस के अनियंत्रित हो जाने की वजह से यह हादसा हुआ। यह हादसा हुआ। दूल्हा दुल्हन दोनों ही अलग वाहन में थे और वे सुरक्षित हैं, जबकि अन्य बारातियों को चोटें आई है। बस में करीब 50 से 60 लोग सवार थे, जिसमें से करीब 30 लोगों को चोट आई हैं। परंतु करीब 5-6 लोग ऐसे हैं जिनको गंभीर चोट आई है। ड्राइवर मौके से फरार हो गया। कुठला पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जा रहा है। घायलों में 22 महिलाएं और 1 पांच साल का बच्चा भी शामिल है।

जिले के 30 कृषकों का दल भ्रमण के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र अंबिकापुर रवाना

सब्जी उत्पादन के तकनीकी प्रशिक्षण व जैविक खेती का प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

अनूपपुर, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग अनूपपुर द्वारा जिले के 30 कृषकों के समूह का भ्रमण दल कृषि विज्ञान केन्द्र अंबिकापुर हेतु रवाना हुए। कृषकों के दल को वरिष्ठ कृषक श्री पुरुषोत्तम दास पटेल एवं श्री चेतराम पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सहायक संचालक उद्यान श्री सुभाष श्रीवास्तव ने बताया कि उक्त कृषकों का समूह 11 से 15 नवंबर 2024 तक पांच दिवसीय भ्रमण में रहेंगे। भ्रमण के दौरान कृषक दल को समशीतोष्ण केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र मेनपाट छत्तीसगढ़ में नासपाती, फलोत्पादन, आलू उत्पादन, सब्जी उत्पादन का तकनीकी प्रशिक्षण व जैविक खेती

एवं उद्यानिकी कृषि यंत्रों के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह दल मॉडल नर्सरी अंबिकापुर में सब्जियों एवं फूलों के व्यवसायिक खेती, संरक्षित खेती तथा नर्सरी पर आधुनिक वैज्ञानिक विधि से पौध उत्पादन तकनीकी अंतर्गत पॉलीहाउस, नेटहाउस में पौध उत्पादन तकनीक का अवलोकन व प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र अंबिकापुर में आम, अमरूद, नीबू की उन्नत खेती का प्रशिक्षण प्राप्त करने के साथ-साथ अवलोकन करेंगे तथा प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर कृषकों से अनुभव साझा करेंगे।

मीरापुर उपचुनाव : रालोद और सपा के बीच कड़ा संघर्ष

सत्तारूढ़ दल ने झोंकी पूरी ताकत

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार.

मुजफ्फरनगर(मीरापुर) ।सहारनपुर मंडल की मीरापुर विधानसभा सीट के 20 नवंबर को होने वाले चुनाव में मुख्य मुकाबले में शामिल भाजपा समर्थित रालोद उम्मीदवार पूर्व विधायक मिथलेश पाल और कांग्रेस समर्थित सपा उम्मीदवार पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधु सुम्बुल राणा के बीच बहुत ही रोचक मुकाबला दिख रहा है। मतदान में अभी नौ दिन बाकी हैं। लेकिन राजनैतिक परिवेक्षक किसी भी दल की जीत की घोषणा करने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं। वजह यह है कि मीरापुर सीट पर सबसे ज्यादा मतदाता मुस्लिम हैं। जिनकी संख्या करीब एक लाख 32 हजार है। दलित मतदाता भी यहां अच्छी संख्या में हैं। जाट, गुर्जर, सैनी मतदाता भी अच्छी खासी संख्या में हैं। लेकिन केंद्रीय मंत्री रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने वर्ष 2009 में इसी सीट से जीती रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल को उम्मीदवार बनाया है जिसकी सिफारिश दोनों दलों के प्रमुख गुटों या नेताओं द्वारा नहीं की गई थी। कैबिनेट मंत्री रालोद नेता अनिल कुमार के मुताबिक चौधरी साहब महिला और अतिपिछड़ा समाज को प्रतिनिधित्व देना चाहते थे इसलिए उन्होंने मिथलेश पाल को प्रत्याशी के तौर पर चुना। मिथलेश पाल (गडरिया बिरादरी) से ताल्लुक रखती हैं। इस जाति के मतदाताओं की संख्या दस से बारह हजार है। जयंत चौधरी दो बार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार मीरापुर क्षेत्र में आकर मतदाताओं से मिथलेश पाल को जिताने की अपील कर चुके हैं।।सांसद के तौर पर यहां का प्रतिनिधित्व युवा रालोद नेता चंदन चौहान करते हैं। जाटों के साथ- साथ गुर्जर बिरादरी का मीरापुर क्षेत्र में वर्चस्व माना जाता है। चंदन चौहान स्वयं 2022 के विधानसभा चुनाव में यहां से रालोद-सपा गठबंधन से विधायक चुने गए थे। उनके पिता दिवंगत संजय चौहान भी इस सीट से विधायक रह चुके हैं। वह 2019 में लोकसभा सदस्य भी रालोद से चुने गए थे। चंदन चौहान के दादा चौधरी नारायण सिंह भी मीरापुर

सीट का विधानसभा में दो बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। माना जा रहा है कि यदि भाजपा-रालोद गठबंधन चंदन चौहान की पत्नी याशिका चौहान को उम्मीदवार बनाता तो उनकी निर्विवाद रूप से जीत तय थी। चंदन चौहान के पडोसी विपक्षी सांसदों चंद्रशेखर आजाद, इकरा हसन, हरेंद्र मलिक, इमरान मसूद से भी मित्रवत संबंध हैं। जिसका चुनाव में लाभ याशिका चौहान को मिलता। लेकिन ऐसा ना होने की स्थिति में सत्तारूढ़ गठबंधन की उम्मीदवार मिथलेश पाल को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विपक्षी कादिर राणा मुजफ्फरनगर के दबंग मुस्लिम नेताओं में शामिल हैं। वह बसपा से 2009 में सांसद रह चुके हैं। कादिर राणा स्वयं अपनी पुत्रवधु सुम्बुल राणा की चुनावी बागडोर संभाले हुए हैं और वह मीरापुर क्षेत्र के लोगों से दिन-रात संपर्क में जुटे हैं। अभी अखिलेश यादव ने मीरापुर क्षेत्र में कोई चुनावी सभा नहीं की है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों का भी सपा उम्मीदवार को सहयोग और समर्थन मिल रहा है। चंद्रशेखर, मायावती और अससुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए हैं। चंद्रशेखर और मायावती के उम्मीदवार दलित वोटों में अच्छा खासा बंटवारा करेंगे। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में दलितों की मायावती से बेरूखी सामने आई थी और इंडिया गठबंधन को दलितों का भारी समर्थन मिला था। इस कारण उत्तर प्रदेश में कांग्रेस-सपा ने जबरदस्त सफलता हासिल की थी।

मीरापुर सीट पर सपा उम्मीदवार बसपा के शीर्ष नेता और मायावती के करीबी मुन्काद अली त्यागी की बिटिया है। उस कारण मीरापुर क्षेत्र में बसपा समर्थित वोटों का बड़ा हिस्सा उनकी पुत्री के पक्ष में मतदान करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है और यही बात सपा के पक्ष में जाती है और यदि वह जीतती हैं तो इसमें बड़ी भूमिका दलित मतदाताओं की होगी। रालोद के दलित नेता कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार पूरी ताकत से दलितों के बीच जा रहे हैं और उनका प्रयास है कि दलितों का ज्यादा से ज्यादा मतदान वह मिथलेश पाल के पक्ष में करा सकें। चंदन चौहान भी लगातार दावा कर रहे हैं कि वह मिथलेश पाल को जिताकर विधानसभा भेजेंगे। मिथलेश पाल पक्ष की बड़ी कमजोरी यह उभर कर सामने आई है कि जाटों, गुजरों और सैनियों में उम्मीदवार चयन को लेकर बहुत ही नाराजगी है। इन तीनों बिरादरियों के प्रमुख नेता भी टिकट के प्रमुख दावेदार थे लेकिन जयंत चौधरी की जिद्द के आगे किसी की भी नहीं चली। इस सीट की जीत-हार से कोई बहुत बड़ा फायदा नुकसान होने वाला नहीं है पर यदि रालोद की हार होती है तो रालोद- भाजपा गठबंधन पर बड़े सवालिया निशान खड़े हो जाएंगे। क्योंकि भाजपा में अपनी मजबूत जड़े बना चुके जाट नेताओं को जयंत का साथ आना बिल्कुल भी नहीं भाया है। जाट नेताओं का कहना है कि जयंत चौधरी की जाटों पर वास्तविक पकड़ होती तो उसके दो प्रमुख नेता केंद्रीय मंत्री डा. संजीव बालियान और कैराना सीट पर भाजपा उम्मीदवार प्रदीप चौधरी की शर्मनाक हार ना हुई होती। ऐसे में रालोद और भाजपा कितनी दूर तक साथ चलेंगे यह कहना भी मुश्किल होगा। सपा की जीत से अखिलेश यादव और कांग्रेस नेताओं का मनोबल ऊंचा होगा। उनकी 2027 में सत्ता में वापसी की संभावनाएं और भी प्रबल हो जाएंगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि विभाग के द्वारा अनुदान पर वितरित किये जाने वाले कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का ई-लाटरी के माध्यम से होगा चयन

14 नवम्बर को ई-लाटरी का आयोजन कलेक्ट्रेट में होगा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में उप निदेशक कृषि डॉ0 राकेश कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सब मिशन ऑन एगीकल्चरल मैकेनाइजेशन, राष्टीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) एवं नेशनल मिशन आन ऑयल सीडस एण्ड ऑयलपाम (ओ0एस0-टी0बी0ओ0) योजनाओं के अन्तर्गत कृषि यंत्रो के विकासखण्डवार/यंत्रवार निर्धारित लक्ष्यो के सापेक्ष इच्छुक लाभार्थी कृषकों द्वारा निर्धारित समयावधि में विभागीय पोर्टल पर यंत्रवार की गयी बुकिंग के आधार पर जिन कृषि यंत्रों की बुकिंग लक्ष्य से अधिक हुई है। उन कृषि यंत्रों के लाभार्थियों का चयन ई-लाटरी के माध्यम से

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा दिनॉक 14-11-2024 को कलेक्ट्रेट सहारनपुर में किया जायेगा। उक्त के क्रम में उन्होंने जनपद के समस्त किसान भाईयों को सूचित करते हुए कहा कि जिन्होंने विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अनुदान पर यंत्र क्रय करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है, वह दिनॉक 14-11-2024 को कलेक्ट्रेट में उपस्थित हो, जिससे कि ई-लाटरी की प्रक्रिया उनके सम्मुख पूर्ण की जा सके। जो भी कृषक भाई अनुपस्थित होगें उन्हें उपस्थित किसान भाईयों एवं समिति के द्वारा ई-लाटरी के माध्यम से चयनित लाभार्थियों के नाम से सहमत माना जायेगा एवं उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, ऐसा मानकर प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी।

आशीष दुबे ने की आत्महत्या, पुलिस हर पहलुओं पर कर रही जांच

गुमशुदा आशीष का जोहिला नदी में मिला शव, सोसाईट नोट जब्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

राजेन्द्रग्राम के वरिष्ठ पत्रकार यदुवंश दुबे वा उनकी पत्नी पर हुए हमले के तीन दिन बाद उनके बड़े नाती आशीष दुबे का पानी में डूब कर मौत हो जाना, मृतक के चाचा को उसके कमरे से सोसाईट नोट मिलना, जिसमें पिता की मौत के बाद मॉ, दादा-दादी वा भाईयों का रोना, दादा के चिड़चिड़ेपन की आदत से परेशान होना, पिता की मौत के बाद से अपनी दुनिया को खत्म मनाना, ये सब अपने मन में रखते हुए 18 वर्षीय आशीष दुबे ने पानी में डूब कर आत्महत्या कर लिया। फिलहाल पुलिस यदुवंश दुबे पर किए गए हमलवारों को ढूंढने तथा आशीष की आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी हुई है। अब देखना है कि पूरे मामले में पुलिस किस छोटे-छोटे पहलु पर नजर रखकर दोनो ही मामलो का खुलासा करती है।

अनूपपुर, राजेन्द्रग्राम के वरिष्ठ पत्रकार यदुवंश दुबे वा उनकी पत्नी पर 5 नवम्बर की दरम्यिानी रात 2 बजे दो नाकाबपोश द्वारा घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके बाद पूरे मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 115(2), 331(6)बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है, जिसमें कई संदिग्धों से पूछताछ भी जारी है। घटना के तीन दिन बाद 8 नवम्बर की रात लगभग 8.30 बजे वरिष्ठ पत्रकार यदुवंश दुबे का 18 वर्षीय नाती आशीष दुबे पिता स्व. अनिल दुबे के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जहां 11 नवम्बर की दोपहर लगभग 12.30 बजे राजेन्द्रग्राम रेस्ट हाउस के पीछे जोहिला नदी में उसका शव तैरता गया। सूचना के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी सहित एसडीओपी एवं राजेन्द्रग्राम पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए पंचनामा तैयार करते हुए शव को पीएम के लिए राजेन्द्रग्राम अस्पताल भेजा गया, जहां पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंपते हुए पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

चाचा अमित दुबे को मिला सोसाइट नोट मामले की जांच के दौरान मृतक के चाचा अमित दुबे को आशीष के कमरे में एक सोसाईट नोट मिला, जिसे मृतक के चाचा ने उक्त सोसाईट नोट पुलिस को दिया गया, जहां पुलिस ने उक्त 6 पेज के सोसाईट नोट को जब्त कर लिया गया है। सोसाईट नोट में आशीष दुबे ने अपने पिता स्व. अनिल दुबे की मृत्यु के बाद घर के बिगड़े महौल से काफी परेशान था। सोसाईट नोट मिलने के बाद आशीष दुबे ने स्वयं अपनी आत्महत्या किए जाने के कारणों का लेख किया गया है। पूरा मामला जो अपने पिता की मौत के बाद से पूरे घर का माहौल बिगड़ जाने तथा घर में छोटी मोटी बातों को लेकर हो रही लड़ाईयों से काफी परेशान होना तथा कई बार आत्महत्या का प्रयास करना लेख है। इतना नही नही आशीष ने पापा के जाने के बाद अपने आप को परिवार से दूर जाने की सोच रखते हुए सोसाईट नोट लिख कर आत्महत्या करने का मामला पूरे अनूपपुर जिले के लिए हैरान वा चकित कर देने वाला है। पुलिस द्वारा बताया गया कि जब्त उक्त सोसाईट नोट के जांच के लिए उसे हैंडराईटिंग एक्सपर्ट के पास भेजा जाएगा।

दादा-दादी पर हुए हमले पर सबूत से छेड़छाड़ सोसाईट नोट में दादा-दादी, मम्मी और छोटे भाईयों को रोते देखकर मुझसे सहा नही जाने, मुझसे कोई नाता नही रखने तथा मुझे मेरी गलतियों की सजा मिले, इसलिए मेरे द्वारा अपने दादा-दादी पर हुए हमले के हर सबूत को अपनी ओर कर दिया, जिससे पुलिस मुझे टॉर्चर कर मार डाले। सोसाईट नोट में आशीष ने लिखा की सबसे पहले मैने कैंची और चाकू छुआ, जिससे मेरे निशान और डीएनए आ जाए। कैंची को मैने पोछा था, मेरा गोल्डल शर्ट जिसे मैने पहला था उसके हाथ का बटन तोड़ कर फेंका था। शर्ट को गायब करना तथा मेरे चेहरे पर निशान आना तथा हाथ पर कट का निशान सब मैने जानबुझकर किया था। कपड़े में गांठ बांधकर उसमें खून लगाकर उसे मैने ही सार जाने वाली गली में फेंका था। ब्लेड से अजीबों गरीब कट लगाए जिससे शक मेरे ऊपर आये। ये सब मैने तब किया जब पूरा परिवार अस्पताल और चाचा के घर चले गये थे, जब वारदात वाली जगह 1 घंटे अकेला था। सोसाईट नोट में उसने अपने दादा-दादी पर हमला करने वाले लोग पकड़े जाने चाहिए, जो दोनो लोग पीछे से स्कूटी से भागे थे।

रिश्तेदारों के कारण हुई पापा की मौत सोसाईट नोट में लिखा गया कि सबसे बड़ी जी का जंजाल रिश्तेदारी है, जितना परेशान बाहर के लोग नही करते उतना रिश्तेदार ही उनका काम कर देते है। कब तक चुप रहूँ, पापा की मौत भी इन्ही रिश्तेदारों के वजह से हुई है। जहर खाया था उन्होने, एक ही बार में सभी से छुटकारा पा लिया। मेरे नजर में उन्होने अच्छा किया, कम से कम इतना लोगो से चार बाते सुनने से अच्छा है की एक ही बार में सभी से छुटकारा पा जाओं। मै होता तो काई रिश्तेदार मेरे घर में कदम तक नही रखने देता। उसने अपने सेन्दुरी और शहडोल वाले लोगो पर घर के नाश वा टार्जर का कारण बताया। जिसके बाद मैने 3-4 महीने से किसी रिश्तेदार को अपने से फोन लगाना बंद कर दिया।

सोसाईट नोट पुलिस ने किया जब्त, जांच जारी पूरे मामले में पुलिस को आशीष द्वारा लिखे गए सोसाईट नोट उसके घर से मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। वहीं पुलिस ने सभी पहलुओं पर नजर रखे हुए है। इसके साथ ही यदुवंश दुबे पर हुए हमलावरों की पतासाजी की जा रही है। पुलिस द्वारा बताया गया कि जब्त उक्त सोसाईट नोट के जांच के लिए उसे हैंडराईटिंग एक्सपर्ट के पास भेजा जाएगा।

लाहौर के सादमान चौक का नामकरण भगतसिंह के नाम पर नहीं करने से समर्थकों को धक्का

भतीजे किरणजीत सिंह संधू ने की कड़ी आलोचना

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार

सहारनपुर, सहारनपुर में रह रहे शहीदे ए आजम सरदार भगत सिंह के भतीजे सरदार किरणजीत सिंह संधू ने इस बात पर कड़ी नाराजगी और अफसोस जताया कि पाकिस्तान प्रमुख शहर लाहौर के सादमान चौक का नाम सरदार भगत सिंह के नाम पर नहीं करने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने की योजना को लाहौर जिला प्रशासन ने रद्द कर दिया हैं। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी के प्रयासों से सादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने, वहां उनकी प्रतिमा लगाने की योजना बनाई गई थी। कुछ वर्ष पूर्व सरदार भगत सिंह के भतीजे और उत्तर प्रदेश सरकार के

पूर्व मंत्री सरदार कुलदास सिंह के बेटे सरदार किरणजीत सिंह संधू और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सहारनपुर के विधायक रहे संजय गर्ग और अन्य कई प्रमुख लोग लाहौर गए थे और लाहौर के भगत सिंह समर्थक लोगों ने नामकरण और प्रतिमा लगाने का फैसला किया था। सरदार किरणसिंह संधू ने आज कि हैरत की बात यह है कि वहां के एक व्यक्ति मजीद ने कहा कि भगत सिंह क्रांतिकारी नहीं बल्कि अपराधी और आतंकवादी थे। एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या के अपराध में भगत सिंह को उनके दो साथियों के साथ फांसी दी गई थी। इन्हीं मजीद ने पाकिस्तान में भगत सिंह विरोधियों ने अब कहा है कि गैर सरकारी संगठन भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तान संस्कृति के खिलाफ काम करता है जिस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। सरदार किरणजीत सिंह सिंधू ने कहा कि सारी दुनिया जानती और मानती है कि सरदार भगत सिंह शुद्ध रूप से स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी और प्रबल सैकुलर विचारधारा के क्रांतिकारी नेता थे।

भाकियू वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने जिया खालिदा को भाकियू वर्मा महिला विंग का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया

बढ़ती हुई समस्याओं का एक मात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण - भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर), भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने आज जिया खालिदा को भाकियू वर्मा महिला विंग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस दौरान मोहल्ला सरायमारान में एक बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता की उन्नति और विकास के लिए पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी है। जिसके लिए बड़ा संघर्ष किया जाएगा। जिसकी शुरुआत गांव-गांव, नगर-नगर बैठक व पंचायत करके कर दी गई है। पृथक राज्य निर्माण के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों में उत्साह बढ़ रहा है और जल्द ही यह जन आंदोलन बनकर बड़ा आंदोलन होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर

प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण पूरा प्रदेश गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की चपेट में है। पड़ोसी छोटा राज्य हरियाणा, उत्तराखंड, उन्नति, विकास, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, और प्रति व्यक्ति वार्षिक आय के मामले में देश में सबसे आगे हैं। उत्तर प्रदेश में मात्र दो एम्स है जो पूर्वांचल में है वहीं पर शिक्षा के क्षेत्र में भी पूर्वांचल आगे है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण होने पर यहां सहारनपुर, मेरठ, आगरा में तीन एम्स होंगे और शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की यूनिवर्सिटी होगी। शिक्षा व चिकित्सा सभी को निःशुल्क होगी, प्रति व्यक्ति वार्षिक आय भी देश में सभी राज्यों से अधिक होगी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़े उद्योग धंधे लगेंगे, सभी शिक्षित युवाओं को रोजगार होगा। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। जिसके लिए किसानों, मजदूरों, गरीबों, युवाओं, छात्रों, छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, बुद्धिजीवियों, वकीलों, व्यापारियों, पत्रकारों सभी को संघर्ष करना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां किसानों, मजदूरों, गरीबों की समस्याएं छूमंतर हो जाएगी और कृषि प्रधान पश्चिम प्रदेश में गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल नकद मिलेगा और चीनी मिलों से बकाया गन्ना भुगतान और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज तुरंत होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने कहा कि पृथक राज्य यहां की 8 करोड़ जनता के लिए सबसे जरूरी है। बैठक का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व अन्य राज्यों के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री मोदी को राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करके अविलंब पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण करना चाहिए। बैठक को प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव मास्टर रईस अहमद, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, समरपाल सिंह, हाजी मुकीम, मुफीद, आलम, हाजी एहतेशाम ने भी संबोधित किया। बैठक में महबूब हसन, हाजी बुद्धू हसन, हाजी इरफान, राव अफजल, रोहित, रवि कुमार, सुमित वर्मा, आजाद सिंह पप्पू, मोहम्मद तसलीम, फरमान मलिक, राशिद मलिक, शहजाद मलिक, तबरेज मलिक आदि ने भाग लिया।

दि किसान को-आपरेटिव सरसावा शुगर मिल का पेराई सत्र हुआ शुरू

जिलाधिकारी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गन्ना डालकर किया शुभारम्भ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा दि किसान को-आपरेटिव शुगर फैक्ट्री लि0 सरसावा के पेराई सत्र का शुभारम्भ फीता काटकर एवं विधिवत पूजा-अर्चना करने के साथ चैन में गन्ना डालकर किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने चीनी मिल प्रबन्धक और गन्ना विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गन्ना किसानों को मिल परिसर में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कृषक बंधुओं का आवाहन करते हुए कहा कि पराली और

गन्ने की पत्ती को ना जलाएं। इस अवसर पर विधायक नकुड़ प्रतिनिधि विकेश चौधरी, उपजिलाधिकारी नकुड श्रीमती संगीता राघव, प्रमोद राणा, अध्यक्ष गन्ना विकास समिति सरसावा डा0 प्रीतम सिंह, प्रधान प्रबन्धक, सभी संचालकगण, अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण सहित कृषक बंधु उपस्थित रहे।

15 सूत्रीय मांगों के समर्थन में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर किया काम

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर नर्सिंग संवर्ग, पैरामेडिकल, संविदा कर्मचारी, आउटसोर्स, रोगी कल्याण समिति कर्मचारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। सोमवार को जिला अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने बताया कि उनकी मांग है संविदा नीति 2023 एनएचएम में पूर्ण रूप से लागू की जाए जिससे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को उसका लाभ मिले। संविदा स्वास्थ्य संवर्ग की वेतन विसंगति दूर की जाए, नर्सेस पर हड़ताल अवधि में की गई कार्रवाई को निरस्त किया जाए,

एएनएम, एमपी डबल्यू का हड़ताल अवधि 23 दिवस का वेतन भुगतान किया जाए, स्वास्थ्य विभाग की भांति ग्वालियर, रीवा मेडिकल कॉलेज में दी जा रही उसी प्रकार अन्य सभी मेडिकल कॉलेज में भी नर्सिंग संवर्ग को 3 एवं 4 वेतनवृद्धि दी जाए, जब तक प्रमोशन नही होते तब तक वरियता के आधार पर प्रभार दिया जाए, 70, 80, 90 और तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि आदेश को निरस्त किया जाए, सातवें वेतनमान का लाभ 2016 से दिया जाए, चिकित्सकों की भांति अन्य कर्मचारियों को भी रात्रिकालीन भत्ता दिया जाए, संचालनालय स्तर पर सहायक संचालक नर्सिंग के पद पर नर्सिंग कैडर को ही वरिष्ठता के आधार पर पदस्थ किया जाए, स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स, रोगी कल्याण समिति अंतर्गत कर्मचारियों को स्थाई का वेतन बढ़ाने हेतु ठोस नीति बनाई जाए, नर्सिंग संवर्ग, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर, बायोकेमिस्ट, लेबटेक्नीशियन, नेत्र सहायक, ड्रेसर, सभी वर्ग के टेक्नीशियन आदि सभी संवर्गों की वेतन विसंगति दूर की जाए और पदनाम परिवर्तन किए जाए। कर्मचारियों ने बताया कि 11 नवंबर 24 से तीन दिन काली पट्टी बांधकर विरोध के साथ चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है। समस्या का निराकरण नही होने पर नियमानुसार आंदोलन करेंगे।

664 से अधिक शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों ने लखन कुंभकार को दोबारा बनाया जिलाध्यक्ष

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मध्यप्रदेश सहकारिता कर्मचारी महासंघ भोपाल निर्वाचन कार्यक्रम सोमवार को शाजापुर के राजराजेश्वरी माता मंदिर परिसर में संपन्न हुआ, जहां 664 से अधिक शासकीय अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए जिन्होने अपनी सहमति जताते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में लखन कुंभकार को पुनः निर्विरोध सहकारिता यूनियन महासभा शाजापुर जिलाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया। गौरतलब है कि जिले की 91 सहकारी संस्था के

664 अधिकारी-कर्मचारियों के हक की लड़ाई लडने् लखन भोपाल तक संघर्षरत रहे। लखन की इसी कर्मचारी हितैषी कार्यशैली के चलते उन पर दोबारा से कर्मचारियों ने भरौसा जताया और वे निर्विरोध निर्वाचित किए गए। इस पर उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया।

चॉकलेट में फंगस मिलने पर सैंपलिंग की कार्रवाई पैकिंग खाद्यान की गुणवत्ता कटघरे में

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। चॉकलेट में फंगस निकलने की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने प्रतिष्ठान पहुंचकर सैंपलिंग की कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार धोबी चौराहा स्थित राजस्थानी स्वीट्स से ली गई चॉकलेट में फंगस मिलने की शिकायत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को मिली थी। उक्त शिकायत के आधार पर अधिकारी सोमवार को राजस्थानी स्वीट्स पर पहुंचे और यहां चॉकलेट आदि खाद्यान का नमूना जांच हेतु लिया। अधिकारियों ने बताया कि सैंपल को राज्य स्तरीय प्रयोगशाला भेजा जाएगा, जहां से जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शहर में बेची जा रही पैकिंग खाद्य सामग्री में फंगस मिलने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व

पैकेट की काजू कतली से फंगस मिलने का मामला सामने आया था। वहीं अब राजस्थानी स्वीट्स पर मिल रही डेयरी मिल्क चॉकलेट में फंगस मिली है। हालांकि अधिकारियों ने सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है।

गुणवत्ता पर उठने लगे सवाल

खुली खाद्य सामग्री में लोगों को मिलावट का अंदेशा रहता है और इसीको लेकर पैकिंग खाद्य सामग्री की मांग बढ़ी है, लेकिन अब बाजार में मिलने वाली ब्रांडेड पैकिंग खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यही कारण है कि पैकिंग काजू कतली के बाद डेयरी मिल्क चॉकलेट की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के धोबी चौराहा क्षेत्र स्थित राजस्थानी स्वीट्स से खरीदी गई चॉकलेट घटिया क्वालिटी की होना बताया जा रहा है। फिलहाल चॉकलेट के सैंपल जांच हेतु लिए गए हैं।

दीप धरो स्वाध्याय का पाओ परम प्रकाश - स्वाध्यायी शिवीर में बोलें -संयतमुनिजी

झाबुआ थांदला

थांदला। धर्म नगरी थांदला में बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी के आज्ञानुवर्ती अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी आदि ठाणा - 4 व सरलमना पूज्या श्री निखिलशीलाजी आदि ठाणा - 4 के पावन सानिध्य में आत्मोत्कर्ष चातुर्मास के महज 6 दिन ही शेष बचे है ऐसे में संघ में विविध आयोजन के माध्यम से धर्म आराधना भी गतिमान होकर पूज्य श्री का अधिक से अधिक लाभ लिया जा रहा है। इसी तारतम्य में पूज्य श्री धर्मदास जैन स्वाध्यायी संघ के लिए स्वाध्यायी शिविर व संत-सतिया विहीन क्षेत्रों में स्वाध्यायी सेवा देने वालें स्वाध्यायियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन विराजित गुरुभगवंतों के सानिध्य में आयोजित किया जिसमें थांदला सहित अन्य क्षेत्रों के स्वाध्यायी व मुमुक्षु आत्मओं ने भाग लिया। पूज्य श्री संयतमुनिजी म.सा. ने स्वाध्यायियों व उपस्थित परिषद को सम्बोधित कर धर्म संदेश देते हुए कहा कि वैसे तो जो भी आत्म आराधना करते है वे सभी स्वाध्यायी ही होते है क्योंकि भगवान ने स्वाध्यायी के वाचना, प्रच्छना, परिवर्तना, अनुप्रेक्षा व धर्मकथा रूप पाँच भेद बतलाए है इस दृष्टि से धर्म कथा सुनने सुनाने वालें दोनों ही स्वाध्यायी होते ही है लेकिन अपना घर-परिवार व्यवसाय आदि सब छोड़कर अन्य स्थानों पर धर्म आराधना करवाने के लिए जो स्वाध्यायी जाते है वे विशिष्ट होते है। पूज्य श्री ने कहा कि स्वाध्यायियों का जीवन भी मर्यादायुक्त होना चाहिए व प्रेरणा भी आगम युक्त ही होना चाहिए लेकिन यह भी ध्यान रखें कि वे स्वाध्यायी है साधु नही इसलिए

अधिक ज्ञान का अभिमान भी नही होना चाहिए। पूज्य श्री ने स्वाध्यायी संघ के संस्थापक अपने गुरु जिनशासन गौरव जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म. सा. के ज्ञान रूप साहित्य अपनी परम्परा भाग 1 व 2 दोनों प्रत्येक स्वाध्यायी के लिए अनिवार्य करते हुए कहा कि गुरुदेव अपनी नित्य प्रार्थना में भी कहते थे कि अल्प-बहुत श्रुत नित पढू रहू एकता लीन अर्थात स्वाध्यायियों को केवल पर्युषण पर्व पर धर्म आराधना करने तक सीमित न रहकर अपनी आराधना में निरंतरता लाते हुए ज्ञान सीखते रहना चाहिए क्योंकि सीखा हुआ ज्ञान ही उसके आत्म कल्याण के लिए उपयोगी होता है। पूज्य श्री ने कहा कि जैसे लौकिक ज्ञान से व्यक्ति बाहरी सफलता पाता है वैसे ही आध्यात्मिक ज्ञान से उसके भव-भव के दुख दूर हो जाते है। इस दौरान पूज्य श्री ने सभी स्वाध्यायियों की परीक्षा लेते हुए उन्हें प्रत्याख्यान ग्रहण करने व देने के तरीके सविस्तार से समझाए व उनकी समस्याओं का समाधान भी किया। उन्होंनें कहा कि अणु भगवान की भावना थी कि सकल संघ में स्वाध्यायी संघ व जैन पाठशाला का संचालन होता रहे क्योंकि इसी से ही बच्चों में संस्कारों का निर्माण होता है व बड़ो में आपसी प्रेम व सौहार्द का वातावरण निर्मित होकर संघ एकता के सूत्र में बंधा रहता है। पूज्य श्री ने आगम वाचनी के बाद अपनी परम्परा अनुरूप अंतगड सूत्र वाचन, गुरुभगवंत के उपलब्ध अनेक साहित्य के नित्य पठन, पर्युषण के दौरान सचीत वस्तुओं के त्याग, दया व्रत में रहने व संघ के कार्यों में हस्तक्षेप नही करने, की शिक्षा देते हुए कहा कि तुम अपनी दो आँखों से ही देखते हो परन्तु संघ की हजार आँखें होती है इसलिए हमेशा अपना आचरण शुद्ध रखना। मिथ्यात्व के पौषक स्वाध्यायियों को स्वाध्यायी सेवा में जाने के स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जो स्वयं भटका हुआ है वह अन्य को सही प्रेरणा नही दे सकता। धर्म सभा में पूज्य श्री आदित्यमुनिजी ने कहा कि जो आतपना युक्त जीवन से सुकुमालता व अपनी इच्छाओं का त्याग करता है व राग को जीत लेता है व द्वेष से दूर हो जाता है वह धर्म रत्न का पात्र बन जाता है। पूज्य श्री ने पूरे चातुर्मास में इसी विषय पर प्रवचन देते हुए धर्म रत्न के पात्र के गुणों में वय, श्रुत व संयम पर्याय में वृद्धजनों के अनुभव का लाभ लेने की प्रेरणा दी। पूज्यश्री धर्मदास स्वाध्यायी संघ के संचालक वरिष्ठ स्वाध्यायी व संघ अध्यक्ष भरत भंसाली व वीरेंद्र मेहता ने बताया कि इस वर्ष पर्युषण पर्व पर करीब 40 स्थानों पर सेवा देने वालें 92 स्वाध्यायियों ने अपनी बहुमूल्य सेवा देने पर सभी स्वाध्यायियों का संघ की ओर से प्रभावना देते हुए बहुमान किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वाध्यायियों के उत्साह व उनके ज्ञान गुण विकास के लिए संघ गुरुभगवंतों के मार्गदर्शन में शिविर आयोजित करता है तो पत्राचार के माध्यम से वर्ष में दो बार परीक्षा भी आयोजित करता है वही उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए समय-समय पर उनका स्वागत सम्मान समारोह का भी आयोजन करता है।

पत्रकार समाज को दिशा प्रदान करता है - शलभ

मनोज जैन को प्रदेश सचिव और अभिषेक सक्सेना को जिला अध्यक्ष घोषित किया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, शाजापुर जिले के शुजालपुर में स्थानीय निर्मल श्री गार्डन के पंडित बाल कृष्ण शर्मा नवीन सभागार में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का 25 वीं शुजालपुर प्रांतीय कार्यकारिणी सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रदेश भर से बड़ी संख्या में हमारे श्रमजीवी पत्रकार शामिल हुए । आयोजन में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने सहित 21 सूत्रीय मांगे रखी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रान्तध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा पत्रकार समाज को दिशा देता है। समाज की समस्याओं को सामने लाकर प्रशासन और सरकार तक अपनी बात पहुंचाने में कई कष्ट झेलता है। संघर्ष शील पत्रकार साथियों को हर स्थिति में साथ खड़े रहकर मदद करना संगठन का उद्देश्य है। समाज की बुराइयों को उजागर करने का काम पत्रकारों का है, कारवाई कराने का जिम्मा प्रशासन, सरकार का है। पत्रकारों को चौथा स्तंभ कहना अलग बात है, लेकिन संविधान में ऐसा कोई उल्लेख या विशेष अधिकार नहीं है। हमको जनोन्मुखी व समाजोन्मुखी पत्रकारिता करना चाहिए। बलात्कार और जघन्य अपराधों की खबरें समाज को कोई शिक्षा नहीं देती, इसलिए ऐसी खबरों का स्थान मीडिया में कम होना चाहिए,

क्योंकि नकारात्मक खबरे परिवार और संस्कृति को प्रभावित करती है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा समाज को आईना दिखाने का काम पत्रकार करते है। पत्रकारों ने वर्तमान काल में इस सम्मेलन के माध्यम से अपनी मांगे रखने के साथ ही पत्रकारिता के तरीके में सुधार कर जनोन्मुखी व समाजोन्मुखी पत्रकारिता करने का जो आह्वान शलभ जी ने किया है, वो सराहनीय है। समाज में पर्यावरण रक्षा के लिए पॉलीथिन पर प्रतिबंध स्वेच्छा से उसका उपयोग स्वयं बंद कर दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान मंत्री ने उपस्थितजनों से किया। उन्होंने स्थानीय पत्रकारों की विशेष मांग पर शुजालपुर में पत्रकार भवन के लिए दस लाख रुपए देने व भूमि चिन्हित कराने में सहयोग की घोषणा भी की। शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने भी संबोधित करते हुए संगठन की महत्ता पर अपनी बाते रखते हुए सभी को आयोजन की शुभकामनाएं दी। जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसौदिया, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक नायक, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेश्वर प्रताप सिंह, भाजपा नेता योगेन्द्र सिंह बंटी,कालापीपल नगर परिषद अध्यक्ष जे पी अग्रवाल, पोलायकलां नगर परिषद अध्यक्ष पवन राजकुमार,कालापीपल जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि भोजराज पंवार सहित संगठन के प्रांतीय पदाधिकारी मंचासिन थे। प्रदेश महासचिव सुनील त्रिपाठी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रदेश कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह तोमर ने संगठन का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन किशोर खन्ना ने तथा आभार प्रदेश कार्यकारी महासचिव सत्यनारायण वैष्णव ने व्यक्त किया । प्रांत सचिव पद पर मनोज जैन व जिला अध्यक्ष पद पर अभिषेक सक्सेना चिंटू की घोषणा करने से पत्रकारों में हर्ष व्याप्त प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने शाजापुर जिले का नया अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना चिंटू को घोषित करते हुए वर्तमान जिलाध्यक्ष मनोज जैन को प्रदेश सचिव का जिम्मा दिया। प्रांताध्यक्ष का हुआ अभिनन्दन..! प्रान्तध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया का मंत्री श्री परमार सहित समूचे सभागार ने गजहार पहना कर अभिनन्दन किया. प्रदेश उपाध्यक्ष साथी दिनेश अग्रवाल ने प्रान्तध्यक्ष को भेट किये जाने वाले अभिनन्दन पत्र का वचन किया.

लाइन डालने के दौरान खराब हुआ रोड राहगीर परेशान

उज्जैन

सेदरी से पूर्व के आक्याजागीर ओर केसरिया जाने वाले रोड तक लगभग 2 किलोमीटर रास्ता जो अभी तक रोड नही बना है और बारिश ले दौरान इस रास्ते मे पानी की पाइप लाईन डालने के लिए की गई खुदाई के बाद यह रास्ता और भी खराब हो चुका है जिस पर वर्तमान में भी मोटरसाइकिल निकलना भी बड़ी समस्याओं का काम है यहां आए दिन राहगीर इस रास्ते पर परेशान होते देखे जा सकते हैं लाइन डालने के दौरान जब इस रास्ते की खुदाई हुई उसके बाद रास्ते पर मिट्टी ही मिट्टी हो गई थी जिसे बारिश में कीचड़ अधिक हो गया था किंतु उसके बाद पाइपलाइन डालने वाली कंपनी के द्वारा ग्रामीणों के साथ मिलकर इसके ऊपर पत्थर डलवाने का कार्य तो किया गया किंतु उसमें गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया जिस कारण से बड़े-बड़े पत्थर के डालने से रास्ता और भी खराब हो गया और आज भी वर्तमान में यह रास्ता बड़ा खराब है जहां राहगीर रास्ते में निकलने के दौरान परेशान होते हैं इस रास्ते पर चाहिए कि वर्तमान में जब तक यह रोड नहीं बनता पाइपलाइन डालने वाली कंपनी को इसके ऊपर बारीक मोरम डालकर उसको रोलर से ठीक करवाना चाहिए जिससे रागिनों को आने वाली परेशानियों से निजात मिल सके अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या ठेकेदार और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मिलकर राजी इस परेशानी को समझते हुए उन्हें इस परेशानी से मुक्ति दिलवाएंगे ! वर्तमान में जो मोटरसाइकिल सवारी रास्ते से निकलते हैं तो कुछ दिनों में ही मोटरसाइकिलों में खराबी होने से भी राजी रोड ग्रामीणों को आर्थिक मार्ग का भी सामना करना पड़ रहा है !

पहले जैसा करवा दो रास्ता बारिश के पहले जब इस रास्ते की खुदाई नहीं हुई थी उसे समय था क्या रास्ता काफी ठीक स्थिति में था जिस पर बारीक मोरम डाल रखा था और वह भी एक जैसा लेवल में था जिसके कारण राहगीर और ग्रामीणों को निकालने के दौरान दिक्कतें नहीं आती थी किंतु खुदाई के दौरान इस रास्ते की हालत खस्ता हो गई अब ग्रामीणों और रागिरो की मांग है कि भले वर्तमान में पक्का रोड नहीं बने किंतु जैसा बारिश के पहले था कम से कम इस रास्ते को वैसा तो कर दो जिसे निकालने में दिक्कतें नहीं आए !

रूस ने युक्रेन युद्ध रोकने वाली मीडिया रिपोर्ट्स को बताया झूठी अफवाहें

कहा- ट्रंप और पुतिन के बीच नहीं हुई बात, न ही करने का इरादा

इंटरनेशनल डेस्क. यूक्रेन में पिछले दो साल से चल रहा युद्ध अब एक गंभीर मोड़ पर है। युद्ध में रूस की लगातार कामयाबी ने पश्चिमी देशों को मजबूर कर दिया है कि वे संघर्ष समाप्त करने के रास्ते तलाशें। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान यह दावा किया था कि यदि वह फिर से राष्ट्रपति बनते हैं, तो वह 24 घंटों के भीतर यूक्रेन में शांति स्थापित कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा कैसे करेंगे।हाल ही में कुछ अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की थी। कहा जा रहा था कि ट्रंप ने इस बातचीत के दौरान पुतिन से यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा न देने का आग्रह किया है। इन रिपोर्ट्स में वॉशिंगटन पोस्ट और रॉयटर्स

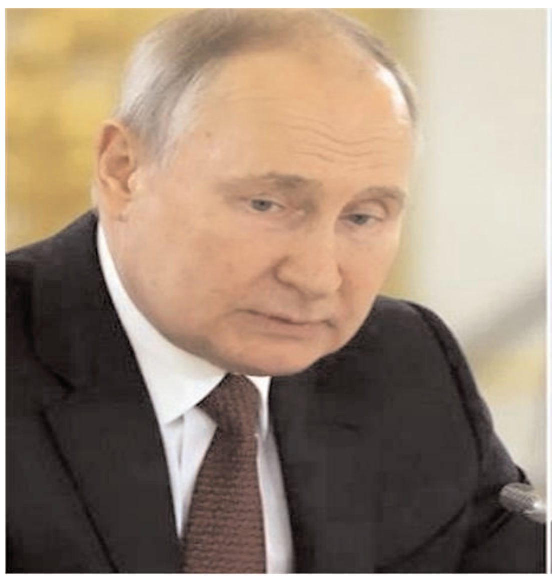

जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का नाम शामिल था, जिन्होंने अज्ञात सूत्रों के हवाले से यह दावा किया।हालांकि, सोमवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस खबर का स्पष्ट खंडन किया। पेसकोव ने कहा कि ये रिपोर्ट्स पूरी तरह से झूठ और काल्पनिक हैं। उन्होंने कहा, ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई थी, और यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया को इस प्रकार की गलत जानकारी से बचना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान भी बिना सत्यापित किए खबरें प्रकाशित कर देते हैं।जब पेसकोव से पूछा गया कि क्या पुतिन और ट्रंप के बीच भविष्य में किसी प्रकार के संपर्क की कोई योजना है, तो उन्होंने बताया कि वर्तमान में ऐसी कोई ठोस योजना नहीं है। क्रेमलिन ने इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, और अभी तक इस तरह के संपर्क का कोई आधार नहीं है।

गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी और उन्हें एक बहादुर व्यक्ति करार दिया।

पुतिन ने कहा कि यदि विश्व के कुछ नेता रूस के साथ संवाद बहाल करना चाहते हैं, तो वह इसके खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप की रूस के साथ संबंध सुधारने और यूक्रेनी संघर्ष को समाप्त करने की इछा काबिले-गौर है।

पुतिन ने ट्रंप के एक पुराने हत्या के प्रयास का भी जिक्र किया, जिसमें ट्रंप का साहसिक रवैया उन्हें प्रभावित करने वाला बताया।रूस ने हाल ही में अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों को चेतावनी दी है कि वे यूक्रेन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल न हों।

रूस ने स्पष्ट किया कि यूक्रेन में किसी भी नाटो देश की सहभागिता को सीधा युद्ध का हिस्सा माना जाएगा। पुतिन ने पहले ही कहा था कि नाटो की यूक्रेन में भागीदारी रूस के लिए गंभीर चिंता का विषय है और रूस इसे अपने खिलाफ सीधा आक्रामक कदम मानेगा। यूक्रेन युद्ध अब एक निर्णायक मोड़ पर है, और रूस की सैन्य उपलब्धियां पश्चिमी देशों पर दबाव बढ़ा रही हैं कि वे संघर्ष को समाप्त करने के तरीकों पर विचार करें। ऐसे में ट्रंप और पुतिन के बीच संभावित बातचीत और अमेरिकी नीति का रूस के साथ संबंधों पर संभावित असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए महत्वपूर्ण विषय बन चुका है।

नीदरलैंड में लोगों ने इजराइली प्रशंसकों को बनाया निशाना

हिंसा के बाद 'ट्राम में लगाई आग

इंटरनेशनल डेस्क. नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सोमवार को कई लोगों ने एक 'ट्राम में आग लगा दी। शहर में पिछले सप्ताह इजराइल के एक फुटबॉल क्लब के प्रशंसकों को निशाना बनाकर की गई हिंसा के बाद तनाव की स्थिति है। पुलिस के अनुसार, आग को तुरंत बुझा दिया गया और दंगा नियंत्रण अधिकारियों ने चौक को खाली करा दिया। सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरों में लोग ट्राम को नुकसान पहुंचाते और पटाखे जलाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि अशांति फैलाना किसने शुरू किया और क्या पिछले सप्ताह हुई घटना से इसका कोई संबंध है, इसको लेकर फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है। मैकाबी तेल अवीव अजाक्स मैच के बाद पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को हुई हिंसा में घायल हुए पांच लोगों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया और हिंसा के संबंध में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। नीदरलैंड पुलिस ने पिछले सप्ताह हुई हिंसा के मामले में सोमवार को पांच नयी गिरफ्तारियां की हैं, जिसमें से चार लोग अब भी हिरासत में हैं और पांचवें को रिहा किया गया है, लेकिन वह भी संदिग्ध बना हुआ है। इससे पहले, पुलिस ने कहा कि पिछले सप्ताह पकड़े गए चार

अन्य लोग जांच जारी रहने तक हिरासत में रहेंगे।

गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से यूरोप में यहूदी विरोधी भाषण, बर्बरता और हिंसा की खबरें बढ़ रही हैं और बृहस्पतिवार रात के मैच से पहले एम्स्टर्डम में तनाव बढ़ गया। स्थानीय अधिकारियों ने स्टेडियम के बाहर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। मैच से पहले, मैकाबी के प्रशंसकों ने एम्स्टर्डम की एक इमारत पर लगा एक फलस्तीनी झंडा भी फाड़ दिया और स्टेडियम की ओर जाते हुए अरब विरोधी नारे लगाए। मैकाबी के प्रशंसकों द्वारा झगड़ें शुरू करने की भी खबरें थीं।

तीन घरों में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या

मृतकों में संदिग्ध हमलावर भी शामिल

अमेरिका में कंसास राय के विचिटा शहर में एक ही इलाके में स्थित तीन घरों में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी के ये मामले एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पुलिस प्रमुख जो सुलिवन ने कहा कि रविवार को मृत पाए गए लोगों में से एक संदिग्ध हमलावर था। पुलिस का मानना है कि सभी पांच लोग एक-दूसरे को जानते थे, हालांकि उनके आपस में संबंध का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई एक विज्ञप्ति में बताया गया कि शाम 5:44 बजे गोलीबारी की सूचना पर अधिकारियों को बुलाया गया और उन्होंने एक घर के अंदर एक व्यक्ति को मृत पाया।

उसकी मौत की सूचना पर अधिकारी उस स्थान से कुछ 'ब्लॉक दूर एक घर पर गए और वहां तीन अन्य लोग भी मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि उस इलाके में जांच कर रहे अधिकारियों ने तीसरे घर की खिड़की से झांककर देखा तो वहां पांचवां व्यक्ति भी मृत पाया गया। सुलिवन ने पत्रकारों से कहा, ''पांच लोगों की गोली लगने से मौत हो गई है। हमें ऐसा लगता है कि जांच से यह पता लग जाएगा कि क्या मृतकों में से ही किसी एक ने अन्य लोगों को गोली मारी थी।

बकरी के बच्चे को कब्र में घसीट कर ले गया 12 फीट का अजगर

देखकर लोग रह गए हैरान

मैहर. मध्य प्रदेश के मैहर जिले में क्रबिस्तान के पास झाड़ियों में छिपे एक विशालकाय अजगर ने एक बकरी को जिंदा निगल लिया। इस घटना के बाद गांव वाले सहम गए। इसमें बकरी की मौत हो गई। ग्रामीणों ने इस घटना की सूचना वन विभाग को और सर्प मित्र को दी। कड़ी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया है। दरअसल, पूरा मामला मध्यप्रदेश के मैहर जिले का है। जहां मैहर शहर के कब्रिस्तान के पास 12 फिट लंब अजगर कब्र के पास कुंडली मार कर बैठा था। जैसे ही एक बकरी का बच्चा उसके पास पहुंचा तो अजगर ने उसको अपना निवाला बना लिया। वहां पर मौजूद लोग यह सब देखकर हैरान रह गए। लोगों ने अजगर का रेस्क्यू करने के लिए सर्प मित्र को बुलाया। धीरे-धीरे आसपास के लोगों को भी खबर लग गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी बीच सर्प मित्र वहां पहुंचा और अजगर का रेस्क्यू कर जंगल मे छोड़ दिया।

मौजूद लोगों ने बताई पूरी घटना

वहां मौजूद लोगों ने बताया कि अजगर झाड़ियो के पास छुपकर बैठा था। जैसे ही बकरी का बच्चा घास चरते हुए वहां पहुंचा तो अजगर ने मुंह में दबोचते हुए उसे कब्र के अंदर ले कर चला गया। जिससे बकरी के बच्चे को की मौत हो गई। अजगर को जब बाहर निकाला गया तो वह बकरी के बच्चे को मुंह में दबाए हुए था। सर्प मित्र ने अजगर को बकरी से अलग किया।

सर्प मित्र गफ्फार ने बताया कि अजगर ने जिस बकरी के बच्चे को निगला था उसका वजह करीब 20 किलो था। काफी जद्दोजहद के बाद रेस्क्यू में सफलता मिली और अजगर को वन विभाग की टीम ने कब्जे में लेकर जंगल में छोड़ दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी और भारत से गहरी दोस्ती, आ गया है बदलाव का समय

नेशनल डेस्क. डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वापसी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बदलाव ला सकती है। उनके %अमेरिका फर्स्ट% और %प्रो-बिजनेस% एजेंडे का असर वैश्विक व्यापार और निवेश पर पड़ेगा, जिससे भारत को कई अवसर मिल सकते हैं। ट्रंप के नेतृत्व में चीन से आयातित उत्पादों पर भारी टैरिफ (शुल्क) लगाए जा सकते हैं, जो भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है। इसमें प्रमुख रूप से ,श्वश्वद्यद्व जैसे अमेरिकी दिग्गज कंपनियों के उत्पादन को भारत में बढ़ाने की संभावना है।

चीन पर बढ़े हुए टैरिफ का असर और भारत के लिए अवसर

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रचार अभियान में चीन से आने वाले उत्पादों पर 60 से 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया था। ट्रंप के सत्ता में आने पर अगर यह नीति लागू होती है, तो चीन में बने उत्पादों पर अमेरिकी बाजार में उच्च शुल्क लागू होंगे। इससे अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में उत्पादन जारी रखना महंगा हो जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वे अपनी उत्पादन रणनीतियों को बदल सकते हैं और अन्य देशों में अपने कारखाने खोलने पर विचार कर सकते हैं, जिनमें भारत एक प्रमुख विकल्प बन सकता है।

,श्वश्वद्यद्व के लिए यह मौका भारत में अपने iPhone उत्पादन को दोगुना करने का हो सकता है। वर्तमान में,,श्वश्वद्यद्व भारत में करीब 15-16 अरब डॉलर का द्वक्द्धश्वठ्ठ उत्पादन करता है, और यदि चीन से आयातित उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाया जाता है, तो,श्वश्वद्यद्व अपनी उत्पादन क्षमता को 30 अरब डॉलर तक बढ़ा सकता है। इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक मजबूत स्थिति प्राप्त हो सकती है। विशेष रूप से, Apple प्रीमियम iPhone Pro मॉडल का उत्पादन भारत में शुरू कर चुका है, जो मांग बढ़ने और उत्पादन में इजाफा करने के संकेत हैं।

नई नौकरियों का सृजन और अर्थव्यवस्था को मजबूती

,श्वश्वद्यद्व का उत्पादन बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर भारत में,श्वश्वद्यद्व का उत्पादन 30 अरब डॉलर तक पहुंचता है, तो इस क्षेत्र में 2 लाख से अधिक नई नौकरियों का सृजन हो सकता है। साथ ही, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और तकनीकी क्षेत्र में निवेश बढ़ने से देश की समग्र विकास दर को भी मजबूती मिलेगी।

एलॉन मस्क की संपत्ति में बढ़ोतरी और अमेरिकी शेयर बाजार में हलचल

ट्रंप के सत्ता में लौटने से अमेरिकी शेयर बाजार में भी हलचल मच सकती है, और यह विशेष रूप से ,श्वश्वद्यद्व जैसी बड़ी कंपनियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, ट्रंप की नीतियों के कारण एलॉन मस्क की संपत्ति में भारी इजाफा हो सकता है। मस्क की नेटवर्थ 314 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है, और उनकी संपत्ति में एक दिन में 17 बिलियन डॉलर का इजाफा हो सकता है। इस प्रकार, ट्रंप की वापसी का असर न केवल भारत, बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिखेगा।

भारत और अमेरिका के रिश्तों में मजबूती

भारत और अमेरिका के रिश्तों में ट्रंप की वापसी से नई मजबूती आ सकती है। ट्रंप की %प्रो-बिजनेस% और %अमेरिका फर्स्ट% नीतियां विदेशी निवेश को आकर्षित करती हैं। इससे भारत में विभिन्न क्षेत्रों में व्यापारिक अवसर बढ़ सकते हैं। विशेष रूप से, रियल एस्टेट, मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस और फाइनेंस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश में वृद्धि हो सकती है। ट्रंप की नीतियों का सीधा असर भारतीय रियल एस्टेट पर पड़ सकता है, जिससे मुम्बई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में प्रीमियम प्रॉपर्टीज में निवेश बढ़ सकता है। रियल एस्टेट क्षेत्र में संभावित वृद्धि ट्रंप की नीतियों से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में विशेष रूप से लग्जरी और कमर्शियल प्रॉपर्टीज में एक नई तेजी आ सकती है। अमेरिकी निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक निवेश स्थल बन सकता है। यदि ट्रंप की वापसी से भारत में विदेशी निवेश बढ़ता है, तो इसका असर रियल एस्टेट सेक्टर में नजर आ सकता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली प्रॉपर्टीज और प्रोजेक्ट्स में इजाफा होगा। इसके अलावा, ट्रंप की नीतियां भारतीय कंपनियों को अमेरिका से व्यापार करने में मदद कर सकती हैं, जिससे भारतीय रियल एस्टेट कंपनियों को भी लाभ मिल सकता है। हालांकि, ट्रंप की नीतियों का भारत के आईटी और फार्मा सेक्टर पर कुछ नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। ट्रंप की इमिग्रेशन नीतियों में सख्ती और वीजा पॉलिसी में कड़े नियम लागू हो सकते हैं, जिससे भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने में मुश्किलें आ सकती हैं। इसके अलावा, फार्मा कंपनियों को भी ट्रंप की नीतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिनमें आयात शुल्क और रेगुलेटरी जटिलताएं शामिल हो सकती हैं। हालांकि, मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण इन कंपनियों के राजस्व में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा कमजोर होने से निर्यात को लाभ हो सकता है।

मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस और ऊर्जा सेक्टर में भी बदलाव

भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कई फायदे हो सकते हैं। ट्रंप की चीन के खिलाफ सख्त नीतियों के कारण भारतीय कंपनियां अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती हैं। इस अवसर का फायदा भारत के ऑटो पार्ट्स, सोलर इक्विपमेंट, केमिकल्स, और अन्य निर्यातकों को भी हो सकता है। इसके अलावा, ट्रंप की %प्रो-फॉसिल फ्यूल% नीति से भारत की ऊर्जा कंपनियों को भी अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि इससे ऊर्जा कीमतों में स्थिरता बनी रह सकती है। ट्रंप की क्रिप्टोकरेंसी के प्रति सकारात्मक सोच भारत के लिए एक बड़ी खबर हो सकती है। उनके डिरेग्युलेशन विचार से भारत में क्रिप्टोकरेंसी के क्षेत्र में विकास हो सकता है।

मिट्टी की ढ़ाही में दबकर 4 महिलाओं की मौत

नेशनल डेस्क। नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के कस्बा मोहनपुरा में आज सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां मिट्टी की ढ़ाही (मिट्टी का ढेर) के नीचे दबकर 4 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा महिलाओं और बच्चों के दबे होने की आशंका है। यह हादसा उस समय हुआ जब महिलाएं और बच्चे मिट्टी लेने के लिए खेतों में गए थे और अचानक ढ़ाही गिर गई। यह हादसा आज सुबह कासगंज के मोहनपुरा कस्बा में हुआ। यहां के रामपुर और कातौर गांव के बीच महिलाएं और बच्चे मिट्टी लेने के लिए गए थे। जैसे ही वे मिट्टी निकालने लगे, मिट्टी का ढ़ाही अचानक गिर पड़ा और लोग इसके नीचे दब गए। इस हादसे के बाद वहां चीख-पुकार मच गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से मिट्टी हटाई जा रही है और दबे हुए लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। बता दें कि अबतक 4 महिलाओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोग दबे हुए हैं, जिनकी जान बचाने के लिए बचाव कार्य जारी है। इस गंभीर हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी मेधा रूपम, एसपी अपर्णा रजत कौशिक, विधायक हरिओम वर्मा, और बीजेपी जिलाध्यक्ष केपी सिंह सोलंकी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569